CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतमिलाप, करौंदी
वाराणसी-5

२.२

राग-बोध
प्रथमभाग

-ग्रन्थालय
ौंदी, वाराणसी-५
31:2/52 A

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-बोध

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

(प्रथम भाग)

[पुनर्मुद्रित]

लेखक

बा. र. देवधर, बी० ए०

कुलगुरु, श्री कलासंगीत भारती

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

१९६१ मूल्य : रु० १.५०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रकाशक

श्रीमती चंपावती देवधर,

बंगलो नं० बी ३/१, का. हि. वि. वि.

वाराणसी-५।

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

मुद्रक

श्री पी. एन. घोष,

सरला प्रेस, वाराणसी-१.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय–ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

निवेदन

अ० भा० गांधर्व महाविद्यालय मंडल के पाठ्य क्रमानुसार संगीत विशारद तक के प्रायः सभी रागों की सुन्दर तथा प्राचीन बन्दिशों का समावेश राग बोध ग्रन्थ माला के अंतर्गत किया गया है जिसका यह प्रथम भाग अपनी नयी आवृत्ति के साथ प्रस्तुत है। इस प्रथम भाग में मंडल के प्रथम वर्ष के पाठ्य क्रमानुसार रागों की बन्दिशें दी गई हैं जिसमें प्रत्येक राग की कम से कम तीन-तीन चीजें हैं तथा इनमें एक चीज़ आलाप तान के साथ हैं। इनमें से अधिकांश चीजें वही हैं जो मैंने अपने गुरु स्व० पं० विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी से प्राप्त की थीं। तथा कुछ अन्य खानदानी चीजें भी हैं।

स्व० श्री नारायण मोरेश्वर खरे द्वारा निर्मित लक्षण गीत लिये गये हैं।

मुझे पूर्ण आशा है कि संगीत प्रेमी इसे पूर्ववत अपना कर मेरा परिश्रम सफल बनायेंगे।

लेखक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय, ...

अनुक्रम

	पृष्ठ संख्या
प्रवेशिका प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम	१–६
गायन क्रियात्मक	१
गायन शास्त्र	३
स्वरबोध	४
तालबद्ध अलंकार	५
प्रारंभिक परिचय	१०–१८
स्वर	१०
सप्तक	१०
शुद्ध स्वर और स्वरांतर	११
विकृत स्वर	१२
कोमल और तीव्र स्वर	१२
सप्तक के बारह स्वर	१२
सप्तकों के बारह स्वर	१३
आरोह और अवरोह	१३
ताल और मात्रा	१३
लय	१४
राग	१६
राग नियम	१६
वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी	१६
औडव, षाडव और संपूर्ण	१७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	पृष्ठ संख्या
आलाप	१८
तान	१८
बोलतान	१८
स्थाई और अंतरा	१८
अलंकार	१८
१. राग भूप	१६–२८
(१) सखी मधुर–त्रिताल,	२०
(२) इतनो जोबन पर मान न करिये–त्रिताल	२२
(३) लख छवि सांवरिया–त्रिताल	२३
(४) 'लख छवि सांवरिया' इस गीत पर अलाप-तान,	२४
२. राग काफी	२९–३६
(१) कैसी काफी बनाई कान्हा–तीनताल,	३०
(२) मितवा माने नहीं–तीनताल,	३२
(३) आज कैसी ब्रिज में धूम मचाई–त्रिताल,	३३
(४) 'आज कैसी ब्रिजमें' गाने के आलाप तान,	३५
३. राग खमाज	४०–५०
(१) सोहत मधुर खमाज–एकताल,	४०
(२) तू गरीबनवाज मेरो–एकताल,	४२
(३) रे मन हरसो करें तूं प्रीत–त्रिताल	४३
(४) जावो सैंया न मोसे–त्रिताल,	४५
(५) 'जावो सैंया न मोसो' इस गीत के आलाप-तान	४६
४. राग देस	५१–५६
(१) गत तीन ताल	५२
(२) कान्हा बन्सिया बजाये–त्रिताल,	५२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृष्ठ संख्या

(३) तबसों चैन नहीं-तीनताल, ५३
(४) चंचल छल कृष्ण कान्ह-दादरा ५५
(५) 'चंचल छल कृष्ण कान्ह' इस गीत पर आलाप-तान ५७

५. राग दुर्गा ६०–७०
(१) सब मिल गावो-तीनताल, ६०
(२) सखी मोरी रुम झूम-झपताल, ६२
(३) एरी धन धन भाग मोरे-तीनताल, ६३
(४) रूप जोवन गुन धरो रहत है-त्रिताल, ६५
(५) 'सखी मोरी रुम झूम' इस गीत पर आलाप-तान ६६

६. राग सारंग ७१–८२
(१) धन धन धुन सारंग-एकताल, ७२
(२) औचकहि भेट भईरी-तीनताल, ७४
(३) मधु मदन मन करो प्रभु से तुम-झपताल ७५
(४) बन बन ढूँढन जाऊँ-त्रिताल ७७
(५) 'बन बन ढूँढन जाऊँ इस गीत पर आलाप तान ७८

७. राग भीमपलासी ८३–९२
(१) गत एकताल ८४
(२) बिरज में धूम मचायो-त्रिताल ८५
(३) बन बन ढूँढत जात सखी री-त्रिताल, ८६
(४) छवि छवि बनी बनवारी की-त्रिताल, ८७
(५) 'बिरज में धूम मचायो' इस गीत पर आलाप-तान, ८९

८. राग बागेश्री ९३–१०२
(१) गत तीनताल ९४
(२) ऋतु वसंत तुम-त्रिताल, ९४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृष्ठ संख्या

(३) अरी एरी सखी--झपताल, ९६

(४) 'ऋतु बसंत तुम' गीत पर आलाप-तान ९८

९. ध्रुपद १०३-११०

(१) खमाज—जय जय जय सत्यदेव-चौताल १०३

(२) भीमपलासी—कुंजन में रचो रास-चौताल १०५

(३) बागेश्री —जय जय जय जगदाधार चौताल १०७

(४) राग सारंग—कोउ कहत रे मधुप तू-चौताल १०९

शुद्धि-पत्र १११

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रवेशिका प्रथम वर्ष

गायन—क्रियात्मक

(सा) स्वरज्ञान :—सात शुद्ध स्वरोंको गाने और पहचाननेका ज्ञान तथा ५ विकृत स्वरोंका साधारण ज्ञान। दो-दो स्वरोंके सरल समूहोंको गाना और पहचानना।

(रे) सरल अलंकारों को विलंबित और मध्य लयमें हाथसे मात्रा दिखाते हुए 'सरगम' के साथ तथा आकारके साथ बोलना और इन्हीं अलंकारोंको सीखे जाने वाले प्रत्येक राग में गाना।

(ग) इस परीक्षाके लिये आठ राग रखे गये हैं।—(१) दुर्गा, (२) भूपाली, (३) सारग, (४) बागेश्री, (५) खमाज, (६) देस, (७) काफी (८) भीमपलास।

इन रागोंकी पढ़ाईका स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा—

(अ) आरोह, अवरोह, वकड़ का ज्ञान।

(ब) सम अथवा खाली से आरम्भ होनेवाला, सीधी बंदिशका, त्रितालमें प्रत्येक रागका एक-एक छोटा ख्याल। प्रत्येक छोटे ख्यालमें छः तानें तथा चार आलाप आवश्यक।

(क) उक्त आठ रागोंमेंसे किन्हीं चार रागों में एक एक ध्रुपद (चौताल) गाते समय हाथसे ताली देकर ताल दिखानेकी क्षमता।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(इ) शेष चार रागोंमेंसे किन्हीं दो रागों झपतालमें और बाकी दो रागोंमें द्रुत एकतालमें लक्षणगीत अथवा 'सरगम' इस तरह १६ गीत इस वर्षमें होंगे।

(म) राष्ट्र–गीत "जन गण मन" और "वन्दे मातरम्"।

(प) मुख्य राग दर्शक आलापों द्वारा राग पहचानना।

(घ) लय ज्ञान :—साधारण लय में मुँहसे प्रत्येक मात्राएँ तथा हाथसे प्रत्येक मात्रापर ताल मारते जाना और इस प्रकार अखंड लयको स्थिर रखने-का प्रयत्न करना। विभिन्न सरल लयके प्रकारोंको मुँहसे बोलना, तथा हाथसे स्थिर मात्राएँ देते रहना जैसे आधी आधी मात्राको दो अंक तथा सरगम कहना [१ २ या स ग] और हाथ से एक मात्रा का ताल लगाना। इसी प्रकार
         ○ ○   ○ ○
साधारण लय के अन्य रूपों का प्रयोग करना। जैसे—

स रे स रे ग रे ग म ग म प म स
= ○ ○ = ○ ○ = ○ ○ = ○ ○ ○

रे स रे ग रे ग म ग म प म स रे
= ○ ○ = ○ ○ = ○ ○ = ○ ○ ○

स रे ग रे ग म ग म प म आदि आदि।
= ○ ○ = ○ ○ = ○ ○ =

(नी) ताल :—तीनताल, झपताल, एकताल, कहरवा तथा दादराके ठेकोंको हाथसे ताल देते हुए बोलना। तबलेका ठेका सुनकर सम पहचानना आना चाहिये।

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गायन—शास्त्र

(१) निम्नलिखित शब्दोंकी संक्षिप्त परिभाषा :—

नाद, स्वर, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर [कोमल, तीव्र], सप्तक, मेल, अलंकार, अथवा पलटा, राग, जाति, ओडव, षाडव, संपूर्ण, वादी, संवादी, पकड़, आलाप, तान, स्वरमालिका [सरगम गीत], लक्षण गीत, स्थायी, अंतरा, लय, विलंबित, मध्य, द्रुत, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, दुगुन, ठेका, वर्जित स्वर आवर्तन।

(२) प्रथम वर्षके रागोंका वर्णन, अर्थात उनके मेल, स्वर, आरोह, अवरोह, जाति, पकड. वादी, संवादी वर्जित स्वर, समय आदिको लिखना।

(३) प्रथम वर्षके तालोंके ठेके, उनकी मात्रा, विभाग [खंड], सम, ताली, खाली आदिके साथ लिखना।

(४) सरगम गीतोंको स्वर-लिपिमें लिखना।

(५) लिखित स्वर समूहों द्वारा राग पहचानना।

(६) शुद्ध स्वरोंके सरल अलंकार बनाना।

(७) स्वर-लिपिके चिह्नोंका सामान्य परिचय।

— —

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रथम भाग

स्वरबोध

(१) सा
सा रे सा
सा रे ग रे सा
सा रे ग म ग रे सा
सा रे ग म प म ग रे सा
सा रे ग म प ध प म ग रे सा
सा रे ग म प ध नी ध प म ग रे सा
सा रे ग म प ध नी सां नी ध प म ग रे सा.

---

(२) सारे, रेग, गम, मप, पध, धनी, नीसां,
सांनी, नीध, धप, पम, मग, गरे, रेसा.

---

(३) साग, रेम, गप, मध, पनी, धसां.
सांध, नीप, धम, पग, मरे, गसा.

---

(४) साम, रेप, गध, मनी. पसां,
सांप, नीम, धग, परे, मसा.

(५) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनीसां
सांनीध, नीधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) गरेसा, मगरे, पमग, धपम, नीधप, सांनीध,
धनीसां, पधनी, मपध, गमप, रेगम, सारेग.

(७) सारेसा, रेगरे, गमग, मपम, पधप, धनीध, नीसांनी,
नीसांनी, धनीध, पधप, मपम, गमग, रेगरे, सारेसा.

(८) सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनी, पधनीसां,
सांधीधप, नीधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा.

(९) सागरेसा, रेमगरे, गपमग, मधपम, पनीधप, धसांनीध,
धसांनीध, पनीधप, मधपम, गपमग, रेमगरे, सागरेसा.

(१०) सारेगसा, रेगमरे, गमपग, मपधम, पधनीप, धनीसांध,
धनीसांध, पधनीप, मपधम, गमपग, रेगमरे, सारेगसा.

तालबद्ध अलंकार

ताल–त्रिताल, मात्रा १६, ताली १–५–१३, खाली ९ पर

तबले के बोल

	धा धीं धीं धा	धा धीं धीं धा	धा तीं तीं ता	ता धीं धीं धा
	×	२	०	३
(१)	सा रे ग म	प ध नी सां	सां नी ध प	म म रे सा
	×	२	०	३
(२)	सा – रे ग	रे – ग म	ग – म प	म – प ध
	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प – ध नी	ध – नी सां	सां – नी ध	नी – ध प
×	२	०	३
ध – प म	प – म ग	म – ग रे	ग – रे सा
×	२	०	३
(३) सा रे ग म	सारे गम पध नीसां	सां नी ध प	सांनी धप मग रेसा
×	२	०	३

ताल–झपताल. मात्रा १०, ताली १–३–८, खाली ६ पर.

तबले के बोल.

धी ना	धी धी ना	ती ना	धी धी ना
×	२	०	३
(१) सां –	रे ग म	प –	ध नी सां
×	२	०	३
सां –	नी ध प	म –	ग रे सा
×	२	०	३
(२) सा –	सा रे ग	रे –	रे म म
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग –	ग मं प	म –	म प ध
×	२	०	३
प –	प ध नी	ध –	ध नी सां
×	२	०	३
सां –	सां नी ध	नी –	नी ध प
×	२	०	३
ध –	ध प म	प –	प म ग
×	२	०	३
म –	म ग रे	ग –	ग रे सा
×	२	०	३

———

एकताल, मात्रा १२, ताली १–५–६–११ खाली ३–७ पर

तबले के बोल

	धीं धीं	धागि तृक	तू ना	कत्ता	धागि तृक	धी ना
	×	०	२	०	३	४
(१)	सा ग	रे सा	रे म	ग रे	ग प	म ग
	×	०	२	०	३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	म ध	प म	प नी	ध प	ध सां	नी ध
	×	०	२	०	३	४
	ध सां	नी ध	प नी	ध प	म ध	प म
	×	०	२	०	३	४
	ग प	म ग	रे म	ग रे	सा ग	रे सा
	×	०	२	०	३	४
(२)	सा रे	सा ग	रे ग	रे म	ग म	ग प
	×	०	२	०	३	४
	म प	म ध प ध	प नी	ध नी	ध सां	
	×	०	२	०	३	४
	सां नी	सां ध	नी ध	नी प	ध प	ध म
	×	०	२	०	३	४
	प म	प ग	म ग	म रे	ग रे	ग सा
	×	०	२	०	३	४

ताल दादरा-मात्रा ६, ताली १ पर, खाली ४ पर

तबले के बोल

(१)	धा धि ना	धा ती ना	धा धी ना	धा ती ना
	×	०	×	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा रे ग | म प ध | रे ग म | प ध नी |

× ० × ०

ग म प | ध नी सां | सां नी ध | प म ग |

× ० × ०

नी ध प | म ग रे | ध प म | ग रे सा |

× ० × ०

(२) सा रे ग | ग रे सा | रे ग म | म ग रे |

× ० × ०

ग म प | प म ग | म प ध | ध प म |

× ० × ०

प ध नी | नी ध प | ध नी सां | सां नी ध |

× ० × ०

प ध नी | नी ध प | म प ध | ध प म |

× ० × ०

ग म प | प म ग | रे ग म | म ग रे |

× ० × ०

सा रे ग | ग रे सा |

× ०

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रारंभिक परिचय

नाद :—नाद का अर्थ है ध्वनि। किसी भी वस्तु के कम्पन के कारण हवा में लहरें उठती हैं और वे लहरियाँ अपने कानों के पर्दे से टकराती हैं और हमें सुनाई देती हैं।

स्वर

संगीत के अभ्यास के लिए पहले "स्वर" का ज्ञान होना आवश्यक है। गायन के लिए उपयोगी नाद को स्वर कहते हैं।

इस तरह मुख्य स्वर सात हैं, जिनके नाम षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं; किन्तु प्रत्यक्ष व्यवहार में इनके बदले क्रमानुसार सा, रे, ग, म, प, ध, नी, इस तरह गाये जाते हैं।

ये स्वर एक के बाद एक चढ़ते जाते हैं; जैसे :—'सा' से 'रे' और 'रे' से 'ग'।

सप्तक

'सा' से लेकर 'नी' तक क्रमानुसार स्वरों को सप्तक कहते हैं। ऐसे तीन सप्तकों का हिंदुस्तानी संगीत में उपयोग किया जाता है। इन्हें मन्द्र, मध्य और तार के नाम से पहचाना जाता है। सबसे नीचे मद्र सप्तक है; जिस स्वर में हम आम तौर से बातचीत करते हैं वह मध्य सप्तक है और मध्य सप्तक के ऊपर तार सप्तक है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस किताब में जिस स्वरलिपि (नोटेशन) पद्धति से गाने लिखे गये हैं, तदनुसार मन्द्र सप्तक के स्वर के लिये, स्वर के नीचे ऐसा (.) बिन्दु दिया है। मध्य सप्तक के स्वर के लिये ऊपर ऐसा (.) बिन्दु देकर बताया गया है।

उदाहरण—स्वरूप :—

मंद्र सप्तक—सा रे ग म प ध नी।

मध्य सप्तक—सा रे ग म प ध नी।

तार सप्तक—सां रें गं मं पं धं नीं।

शुद्ध स्वर और स्वरांतर

गायन का अभ्यास करते समय स्वर जिस अंतर से सिखाये जाते हैं, और जो प्राकृतिक हैउनको शुद्ध स्वरांतर अथवा शुद्ध स्वर कहते हैं।

हिन्दुस्तानी संगीत में एक सप्तक के २२ नादों का पुरातन काल से उपयोग किया जाता है, जिनको श्रुति कहते हैं। ये नाद या श्रुति एक से एक चढ़े हुए हैं। श्रुति का विशेष विवेचन आगे आने वाला है। परन्तु ऊपर शुद्ध स्वर की जो परिभाषा दी गई है, उससे शुद्ध स्वरों और इनका फर्क इतना स्पष्ट नहीं होता। इसलिये २२ श्रुति और शुद्ध स्वर-स्थान नीचे दिये गये हैं।

इन २२ श्रुतियों में से शुद्ध स्वर इन श्रुतियों पर आयेंगे, जैसे :— सा १ पर, रे ५ पर, ग ८ पर, म १० पर, प १४ पर, ध १८ पर, नी २१ पर। अतः शुद्ध स्वर और अन्य श्रुतियों का एकत्र स्वरूप और संबंध इस तरह है :—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा	रे	ग	म	प	ध	नी
१२३४	५६७	८९	१०१११२१३	१४१५१६१७	१८१९२०	२१२२

विकृत स्वर

शुद्ध स्वर से ऊपर या नीचे आने वाले स्वर को विकृत स्वर कहते हैं। ऐसी विकृति दो प्रकार की होती है, कोमल और तीव्र।

कोमल और तीव्र स्वर

कोमल स्वर याने शुद्ध स्वर से नीचे का स्वर, और तीव्र शुद्ध स्वर से ऊँचा स्वर होता है।

सप्तक के बारह स्वर

सप्तक में सात शुद्ध स्वर और पाँच विकृत स्वर होते हैं। सा और प ये दो स्वर अपने स्थान पर कायम (अचल) रहते हैं, इसलिये सदा शुद्ध माने जाते हैं। बाकी ५ स्वरों में रे, ग, ध, नी, ये चार स्वर कोमल होते हैं और म ही तीव्र होता है। इस तरह इन सब शुद्ध, कोमल और तीव्र स्वरों को लेकर एक सप्तक में स्वरों की संख्या १२ होगी।

स्वर-लिपि-लेखन में कोमल स्वर के नीचे (-) ऐसी आड़ी रेखा दी गयी है; जैसे :—

रे ग ध नी
\- - - -

तीव्र स्वर के लिये स्वर के ऊपर (।) ऐसा निशान, (खड़ी रेखा) के द्वारा दिखाया गया है; उदाहरण—मं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सप्तकों के बारह स्वर

सा रे॒ रे ग॒ ग म म॑ प ध॒ ध नी॒ नी

मेल :—जिन स्वर समुदायों द्वारा राग उत्पन्न किये जा सकते हैं उन्हें मेल या थाट कहते हैं। स्वरों की कोमलता तीव्रता के अनुसार उन्हें विशेष समूहों में बाट दिया गया है वे ही मेल हैं। मेल के इन्हीं स्वर समूहों में से, वादी संवादी स्वर, आरोह अवरोह की स्वर संख्या, स्वरों की प्रधानता या दुर्बलता आदि में अलग अलग परिवर्तन करने से रागों का निर्माण होता है।

आरोह की अवरोह

स्वरों द्वारा ऊपर जाने की क्रिया को 'आरोह' कहते हैं और नीचे आने की क्रिया को 'अवरोह'।

ताल और मात्रा

गायन में रंगत और मिठास लानेवाले निश्चित काल को ताल कहा जाता है। इस काल और ताल के नाप के साधन (प्रमाण) को मात्रा कहते हैं। मात्रा का काल निश्चित करने के लिये, हाथ पर हाथ याने ताली देकर काल-प्रमाण ठहराया जाता है। इस प्रकार ताली देने में जितना समय लगता है, वह एक मात्रा का काल-प्रमाण है।

ताल में मात्रा के अतिरिक्त सम, ताली और खाली, ऐसे तीन प्रकार हैं।

सम—यह ताल में बड़े ही महत्व की मात्रा है। इस पर ताली रहती है और वह साधारण ताली की अपेक्षा जोर से दी जाती है। सम आम तौर से पहिली मात्रा पर आता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

खाली—ताल की एक महत्वपूर्ण मात्रा है, लेकिन ताली के बदले हाथ बगल (एक ओर हटा) कर दिखाई जाती है।

ताली—ताल में सम की ताली छोड़कर जो दूसरी तालियाँ आती हैं, उनको केवल ताली कहा जाता है।

सम इस × चिह्न से दिखाय जाता है, खाली का चिह्न ० यह है। ताली अंक द्वारा दिखाई जाती है और वे अंक क्रमानुसार होते हैं। उदाहरण :— तीन ताल या त्रिताल की मात्राएँ १६ हैं। ताली १–५–१३ पर आती है। और खाली ९ पर है।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
×				२				०				३			

लय

ताल की गति यानी Speed को लय कहते हैं। लय तीन प्रकार के होते हैं—१. विलंबित, २. मध्य, ३. द्रुत।

विलंबित—आहिस्ता-मंद गति को कहा जाता है।

मध्य—न आहिस्ता न तेज, याने मध्यम गति।

द्रुत—शिघ्र या तेज़ गति।

ताल विभाग :—ताल की रचना विभिन्न मात्राओं के गुट बनाकर की जाती है। ये गुट दो, तीन अथवा चार मात्राओं के होते हैं। इन गुटों का मात्राखण्ड या ताल-विभाग कहते हैं। दो और चार मात्रा के गुटों को सम तथा तीन मात्रावाले गुट को विषम कहते हैं। उदाहरण :— (१) तीन ताल में १६ मात्रायें होती हैं जिन्हें चार-चार मात्रा के चार गुटों में बाँट दिया गया है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उदाहरण :—(२) दादरा ताल में ६ मात्रायें होती हैं। इसे तीन-तीन मात्रा के दो विषम भागों में बाँट दिया गया है।

(३) झपताल में दस मात्रायें हैं, और वह २, ३ और २, ३ के गुटों में विभाजित कर दी गई है।

ठाय या ठाह लय :—जिस गति के अनुसार मूल गीत गाया जाता है उस गति अथवा लय को ठाह या ठाय लय कहते हैं। मूल गीत अगर बड़ा खयाल होगा तो लय आहिस्ता अथवा ठाय होगी; मध्य लय में होगा तो वह ठाय लय मध्य गति में; और अगर मूल गीत द्रुत लय में होगा तो ठाय लय द्रुत गति में रहेगी।

दुगुन :—जिस लय में गीत गाना हो उसी लय की गति में ताल की मात्रा १, २, ३, ४ कहो। इस मात्रा गिनने में जो लय उत्पन्न होगी वह ठाय लय होगी। १, २, ३, ४ की मात्रा हाथ में दो और प्रत्येक मात्रा में दो-दो अंक गिनो। इस तरह ४ मात्रा में ८ की गिनती गिनी जा सकती है। अर्थात् मूल ४ मात्राओं की यह दुगुन हो गई। एक मात्रा में दो अंक गिनने से दुगुन या दुगुन लय हो जाती है।

टेका :—मृदंग या तबला आदि पर बजाये जानेवाले धाधिन ता, तिरकिट आदि हर एक ताल के बोलों को ठेका कहते हैं।

आवर्त या आवर्तन :—ताल की पहली मात्रा से आखिरी मात्रा तक की सीमा को आवर्त या आवर्तन कहते हैं।

उदाहरण :—तीन ताल का आवर्तन १ से १६ मात्रे तक अर्थात् १६ मात्राओं का होगा। इसी तरह झपताल का १० मात्राओं का होगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग

मनोरंजन और रस पदा करनेवाले, खास नियमाधीन स्वर-समुदाय को 'राग' कहते हैं।

राग-नियम

१. राग में कम से कम पाँच स्वर होंने चाहिये।
१. म अथवा प इन दोनों में से कोई एक स्वर राग में होना चाहिये।
३. एक ही स्वर के दो भेद, यानी कोमल तथा शुद्ध राग में एक के बाद एक न आना चाहिये।
४. राग में स्वर-विस्तार का क्रमानुसार होना चाहिये।
५. वादी और संवादी स्वरों का स्वरूप, उस पर ठहरकर ठीक-ठीक दिखाना चाहिये।

पकड़ :—राग में आनेवाला छोटा से छोटा स्वर-समुदाय जिसके द्वारा राग की पहचान फौरन हो जाती है उसे राग की पकड़ कहते हैं।

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

राग के मुख्य स्वर को 'वादी' कहते है; यह स्वर राग में बारम्बार आता है।

वादी के साथ सम्बन्ध रखनेवाले स्वर को संवादी कहते हैं। साधारणतया यह वादी से चौथा या पाँचवाँ होता है।

वर्जित स्वर :—राग में न लगनेवाला स्वर वर्जित स्वर कहलाते है। उदाहरण :—भूप राग में म नी, तथा दुर्गा राग में ग नी स्वर नहीं लगाये जाते, इसलिये इन स्वरों को उन रागों के वर्जित स्वर कहने चाहिये।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'वादी' और 'संवादी' स्वरों के अतिरिक्त राग में आनेवाले दूसरे स्वरों 'अनुवादी' कहलाते हैं।

राग में न आनेवाले स्वरों को 'विवादी' कहते हैं।

ओड़व, षाड़व और संपूर्ण

पाँच स्वरवाले राग को 'ओड़व' कहते हैं।
जैसे—भूप, दुर्गा, सारंग आदि।

छः स्वरवाले राग को 'षाड़व' कहते हैं।
जैसे—पूरिया, मारवा, सोहनी।

सात स्वरवाले राग को 'संपूर्ण' कहा जाता है।
जैसे—भैरव, भैरवी आदि।

स्वरमालिका :—रागों में लगनेवाले स्वरों की तालबद्ध रचना को स्वरमालिका, सरगम या सुरावर्त कहते हैं। विद्यार्थी को राग ज्ञान सिखाने के लिये स्वरमालिका का बहुत उपयोग होता है। इनकी रचना विभिन्न तालों में की जाती हैं।

लक्षणगीत :—जिन गीतों में राग के नियम, राग में लगनेवाले स्वर, आरोह अवरोह, वादी संवादी स्वर तथा राग की विशेषताओं का वर्णन किया जाता है, उसे लक्षणगीत कहते हैं। लक्षणगीत सीख लेने पर राग नियम याद रखने में बड़ी सरलता हो जाती है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

प्रत्येक राग में एक खास रस की भावना पैदा होती है। इस भावनामय राग-स्वरूप को आलाप द्वारा अच्छी तरह दिखाया जा सकता है। अर्थात् आलाप, स्वरों का अहिस्ता-अहिस्ता किया जानेवाला विस्तार है। आलाप आम तौर से अकार, आकार और इकार से लिया जाता है।

तान

राग के स्वरों के, द्रुत गति में होनेवाले विस्तार को तान कहते हैं। राग का स्वरप, आलाप की भाँति तान से व्यक्त नहीं होता। तान भी अकार, आकार, इकार व उकार से लिये जाते हैं।

बोल-तान

जब आलाप और तान में चीज (गीत) के बोल लिये जाते हैं, तब उन्हें 'बोलतान' कहते हैं।

स्थाई और अन्तरा

गीत के प्रारंभिक भाग को स्थाई कहते हैं। स्थाई का विस्तार अधिकतर मध्य और मंद्र सप्तक में होता है।

गीत के दूसरे भाग को अन्तरा कहते हैं। अन्तरा आमतौर से तार और मध्य सप्तक में होता है।

अलंकार

स्वरों की खास रचना को अलंकार कहते हैं। अलंकार में आरोह-अवरोह होना चाहिये। अलंकार को पलटा भी कहा जाता है। स्वर-ज्ञान के लिये पलटे का रियाज बड़ा ही उपयोगी होता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भूप (भूपाली)

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न हुआ है। इस रागमें म और नी यह दोनो स्वर वर्जित हैं। बाकी सभी शुद्ध स्वर हैं। वादी स्वर गांधार और संवादी धैवत हैं। इस राग के गाने का समय रात का पहला पहर और इसकी जाति ओड़व-औड़व हैं।

आरोह

सा रे, ग, प, ध सां.

अवरोह

सां, ध, प, ग, रे सा.

पकड़

सा ध़ सा, सा रे ग, प ध प ग, रे सा.

आलाप

१ सा, रे, ग, रे, ग, सारे, सा ध़ सा.

२ ग रे, सा, ग, पग, गपध, पग, रेसा, ध़प़ध़, सा.

३ प़ ध़ सारेग, ध़सारेग, गरे, गपध, पग, रेग, रे, सा.

४ गपध, गरे, पग, ध, गपध, पग, रेसा, ग रे, सा.

५ गपधसां सांध पधसांरें, सां गं, रेंसां, ध पग, धपग, गपध, गधपग, रेग, रे, रे; सा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भूप

ताल-त्रिताल

गीत (१)

सखी मधुर-मधुर मुरली बजाय।
तन-मन की सुध बिसराई श्याम ॥
आप नचे सब लोग नचावे ।
मिल सखियन संग रास रचावे ।
देख - देख मन भाये री ॥

ग प	ध सां ध प	ग रे सा सा
सखी	म धु र म	धु र मु र
	०	३

सा प			प
स रे प ग	− ग ग रे	प ग प −	सां ध सां सां
ली ऽ ब जा	ऽ य त न	म न की ऽ	सु ध बि स
×	२	०	३

पध सां ध प	ग रे
राऽ ऽ ई श्या	ऽ म
×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

		प ग ग ग	प – सां ध
		आ ऽ प न	चे ऽ स ब
		०	३
सां – सां सां	सां रें सां –	ध ध ध ध	सां सां रें रें
लो ऽ ग न	चा ऽ वे ऽ	मि ल स खि	य न सं ग
×	२	०	३
सां रें गं रें	सां ध प –	ग – रे ग	प प सां ध
या ऽ स र	चा ऽ वे ऽ	दे ऽ ख दे	ऽ ख म न
×	२	०	३
सां – पध सां	ध प		
मा ऽ थेऽऽ	री ऽ		
×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भूप

ताल–त्रिताल

गीत (२)

इतनो जोबन पर मान न करिये, डरिये प्रभु सों आज आली
जो कोई आवे अपने ढ़िंगवा तासों गरब न कीजिये।
'सदारंग' यह रीत माने ॥

		सां सां ध प	ग रे सा सा
		इ त नो जो	ब न प र
		०	३
ध	स	प प प	सां
ध़ – सा रे	ग रे ग –	ग ग ग रे	ग प ध सां
धा ऽ न न	क रि ये ऽ	ड रि ये ऽ	प्र भु सो ऽ
×	२	०	३
र सांध सां सां	सांसां धप गरे सा		
धाऽऽऽ ज	आ ऽ ऽऽ ऽऽ लि		

अंतरा

		प	
		ग – ग रे	ग प सां ध
		जो ऽ को ई	आ ऽ वे ऽ
		०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

		सां सां	ध मां
सां सां सां –	सां रें सां –	ध – ध –	सां सां रें रें
अ प ने ऽ	ढिं ग वा ऽ	ता ऽ ओ ऽ	ग र ब न
×	२	०	३

	ग	प	
सां रें गं रे	सां सां ध प	प ग रे ग	प ध सां सां
की ऽ ऽ जि	ये ऽ ऽ ऽ	स दा ऽ रं	ऽ ग य ह
×	२	०	३

प सांध सां सां	सांसां धप गरे सा
री ऽऽ ऽ त	मा ऽ ऽऽ ऽऽ ने
×	२

राग भूप

ताल त्रिताल

गीत (३)

लख छवि सांवरया की मोरी मति भई बावरी ए दैया।
मोर मुकुट पीतांबर सोहे कुण्डल झलकत कानन मे।
मोरी मति भई बावरी ए दैया॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा सा रे ध़	सा – ग रे	ग – रे –	प – ग –
ल ख छ वि	सा ऽ व रि	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ की ऽ
•	३	×	२
ग ग रे रे	सा सा – सा	सा सा रे सा	ध़ – प़ –
मो री म ति	भ ई ऽ बो	व री ए ऽ	दै ऽ या ऽ
•	३	×	२

अंतरा

सां – ध प	ग रे सां ध	सां – सां सां	सां रें सां –
मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	तां ऽ व र	सो ऽ हे ऽ
•	३	×	२
सां – ध ध	सां सां रें रें	सां रें गं रें	सां ध प –
कुं ऽ ड ल	झ ल क त	का ऽ न न	में ऽ ऽ ऽ
•	३	×	२
ग ग रे रे	सा सा – सा	सा सा रे सा	ध़ – प़ –
मो री म ति	भ ई ऽ बा	व री ए ऽ	दै ऽ या ऽ
•	३	×	२

स्थाई के अलाप

१ ल ख छ वि	सा – – –	ध़ – प़ –	सा ध़ सा –
•	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२ ल ख छ वि	सा रे ग –	रे – सा –	रे ध़ सा –
०	३	×	२
३ ल ख छ वि	सा रे ग –	प ध – प	ग – रे सा
०	३	×	२
४ ल ख छ वि	ग प ध –	सां – – –	रें – सां –
०	३	×	२
गं – रें सां	ध प ग –	ग प ध –	प ग रे सा
०	३	×	२

अंतरा के आलाप

१ मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	सां – – –	ध – सां –
०	३	×	२
२ मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	पध सांरें गं –	सां रें ध सां
०	३	×	२
३ मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	सां रें गं –	रें – सां –
०	३	×	२
सां रें सां ध	– प ग –	ध – प –	ग रे सा –
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई के बोलतान

१ लखछवि	सा ऽ , र	ग रे सा रे	सा ध़ सा –
		सा ऽ व रि	या ऽ की ऽ
०	३	×	२

२ लखछवि	सा ऽ व रि	सारे गप धप	ग ग रे सा
		सा ऽ ऽ ऽ ऽ व	री या ऽ की
०	३	×	२

३ लखछवि	सा ऽ व रि	गप धसां रें सां	धप ग रे सा
		सांऽ ऽ ऽ ऽ व	रीऽ या ऽ की
०	३	×	२

४ लखछवि	सा ऽ व रि	धप गरे गप धप	गरे गरे सारि सा
		मोरि मति भई ऽबा	वरि ऽ दैऽ याऽ
०	३	×	२

५ लखछवि	सा ऽ व रि	सारे गप धसां रेंगं	रेंसां धप गरे सा
		मोरि मति भई बाऽ	वरि एऽ दैऽ या
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई के तान

१ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गर धध पप | गरे गप गरे सा |

० ३ × २

२ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गप धसां सांध | पप धप गरे सासा |

० ३ × २

३ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गर धसां रेंरें | सांगं धप गरे सासा |

० ३ × २

४ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गप धसां रेंगं | रेंसां धप गरे सासा |

० ३ × २

५ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | गंरें सांसां धप गरे | सांसां धप गरे सासा |

० ३ × २

(६) ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गरे गप, गप |

० ३ ×

धप धसां, धसां रेंरें | सांध, सांध पध पग | पग रेग रेसा, सारे |

० ३ ×

गप धसां रेंगं गंरें | सांगं धप गरे सा |

× २

(७) ल ख छ वि | सा ऽ व रि | या ऽ ऽ ऽ |

० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गप धसां पध सांरें	गंरें सांसां धप, धरें	सांसां धप गप धसां
२	०	३
पध सांसां धप गप	धध पग गरे सा	
×	२	

राग भूप

तान तीनताल

गीत (४)

ग प ग रे	सा रे ध़ सा	ग – ग रे	ग प ध –
०	३	×	२
ग – ग रे	ग प ध सां	ध सां ध प	ग रे सा रे
०	३	×	२

अंतरा

ग – प ध	सां – सां –	स ं गं रें	सां रें ध सां
०	३	×	२
गं रें सां ध	रें सां ध प	सां सां ध प	ग रे सा रे
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-काफी

यह राग-काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'ग' और 'नी' कोमल तथा बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। कई बार इस रागके आरोहमें शुद्ध गंधार और निषाद लेनेका प्रघात पाया जाता है, और वे कानोंको अच्छे भी लगते हैं, पर जबतक इन सुरोंको उपयोगमें लानेका उचित ढंग विद्यार्थियोंकी समझमें भली भांति न आ पाये तबतक स्वरविस्तार करते समय इन स्वरोंको उपयोगमें लानेके तरीकेसे अलग रहना ठीक है। इसका वादी स्वर 'पंचम' और संवादी 'षड्ज' है। कोई कोई 'गंधार' को वादी और निषादको संवादी मानते हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है और किसी भी वक्त गाया जा सकता हैं।

आरोह

सारेग़ मप धऩीसां

अवरोह

सांऩीधप, मग़ रे, सा, ।

पकड़

सा, रे रे, ग़ मम, प.

आलाप

(१) सा, ऩीधऩीसा, रेरेग़, रेसा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) सासा, रे रे, गग, मम, प, धपमप, गरे, मगरेसा

(३) सा, रेगरे, मगरे, मपमगरे, मपधप, मगरे, मगरेगसा.

(४) सारेगमप, मगरेगमप, मपधनी धपमगरे, गरेसा.

(५) म, पधनीसांधनीसां, रें रें, सांनीधनीसां नीधपमप, गरे पमगरेसा.

राग-काफी

ताल-तीनताल

गीत १, लक्षण गीत

कैसी काफी बनाई कान्हा मोसे तान आलाप सुनाई ।
अरोहन में अवरोहन अरु संपूरन गाई ।
ग–नी सुर द्वयको कोमल करके पंचम वादी बनाई ।
उठी में तुरत ही धाइ सुध बिसराई ।

—पं० खरेशास्त्री

म प ग रे	रे ग म म	प – प –	नी ध म प
कै ऽ ऽ सी	का ऽ फी ब	ना ऽ ई ऽ	का न्हा मो से
०	३	×	२
पधनीसां नी ध	प म नी प	ग – रे –	रे मप मग रेसा
ताऽ ऽ ऽन आ	ला ऽ प मु	ना ऽ ई ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

रें – रें –	रें रें सांरें ग॒ं	रें ग॒ रें सां	रें नी सां सां
आऽ रो ऽ	ह न मेंऽ ऽ	अ व रो ऽ	ह न अ रु
०	३	×	२
सां रें नी॒ –	ध म प ध	नी – सां –	सां – – –
सं ऽ पू ऽ	र न सु र	गा ऽ ऽ ऽ	ई ऽ ऽ द
०	३	×	२
ध ध ध ध	ध ध नी॒प ध	नि॒ रें सां रें	नी॒ ध प –
ग नी सु र	द्रु य कोऽ ऽ	को ऽ म ल	क र के ऽ
०	३	×	२
प नी नी सां	सांरें नी॒सां नी॒ ध	प ध पध नी॒	ध प ग॒ रे
पं ऽ च म	वाऽ ऽऽ दि व	नाऽ ई ऽऽ	उ ठी मै ऽ
०	३	×	२
रे ग॒ म प	ग॒रे ग॒ रे –	रे प म प	ग॒ रे नी॒ सा
सु र त हि	बाऽ ऽ ई ऽ	सु ध बि स	रा ऽ ई ऽ
०	२	×	२

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग काफी

ताल—तीनताल

गीत २

मितवा माने नहीं मसकत सखि बार बार बरजे
कर पकरत ऐसी का हमसंग त्रिपत भए ॥
निकट निकट निज पग धरत छैल ऐसी त्रिजधन
मन हरत रोके गैल कर बिनती सुध बुध बिसर गई ॥

प ध पम प	ग॒ रे म म	प – प ध	नी॒ सां ध प
मि त वाऽ ऽ	मा ऽ ने न	हीं ऽ म स	क त स खि
०	३	×	२

ग॒ रे रे प	–प धम म	धप – नी॒ ध	म ग॒ रे सा
बा ऽ र बा	ऽ र बऽ र	जऽ ऽ क र	प क [र] [त
०	३	×	२

	म प		
सा – रे –	ग॒ – म	प प प ध	नी॒ सां नी॒सां –
ऐ ऽ सी ऽ	का ऽ ह म	सं ग त्रि प	त भ इऽ ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प पम ध प	ग॒ रे म म	प प ध ध	नी॒ सां – सां
नि कऽ ट नि	क ट नि ज	प ग ब र	त छे ऽ ल
०	३	×	२
रें ग॒ं रें सां	ध प ध म	ग॒ ग॒ रे रे	ग॒ मसा सा
ऐ सो ब्रि ज	ब न म न	इ र त रो	के गे ऽ ल
०	३	×	२
	म		
सा सा रे रे	ग॒ – म म	प प प ध	नी॒ सां नी॒सां –
क र बि न	ती ऽ सु ध	बु ब वि स	र ग ईऽ ऽ
०	३	×	२

राग काफी

ताल–त्रिताल

गीत ३

आज कैसी ब्रिज में धूम मचाई। पिचकारी रंग चढ़त है सारी।
बिंद्राबनकी सुंदर शोभा। चकित भई सब नारी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म
आ

म म म	म		म
ग म ध प	ग॒ ग॒ रे –	ग॒ सारे म म	प – प –
ऽ ज कै सी	ब्रि ज में ऽ	धू ऽऽ म म	चा ऽ इ –
२	०	३	×

ध	प		
नी॒ पध सांरें नींसां	नी॒ ध ग म	रे म पध मप	ग॒ – रे
पि चऽ काऽ ऽऽ	री ऽ रं ग	छ ब त हैऽ	सा ऽ री
२	०	३	×

अंतरा

म म प ध	सां नी सां –
विं द रा ऽ	व न की ऽ
०	३

धसां रेंग॒ रें सां	नी॒सां -नी॒ ध प	ध ध ध ध	नी॒ – ध प
सुं दऽ ऽ दर	श्रोऽ ऽऽ मा ऽ	च कि त भ	ई ऽ स ब
×	२	०	३

म
ग॒ – रे
ना ऽ री
×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग काफी

गीत (४)

"आज कैसी ब्रिज में" गीत के आलाप और तान

स्थाई के आलाप,

	आ	ऽ ब कै सी	ब्रि ज मे ऽ	धू ऽऽ म म	चा ऽ ई
		२	०	३	×
(१)	,,	,, ,,	धनी सारे ग -	रे – ग सा	म ग रे
			०	३	×
(२)	,,	,, ,,	सा रे ग –	म प – म	ग रे सा
			०	३	×
(३)	,,	,, ,,	रेग मप धनी –	ध – – प	म ग रे
(४)	,,	मप धनी सांरें गं	रें – – –	सां – नीध पम	पम गरे सा
		०	३	३	×

अंतरे के आलाप

(१) बिं द रा ऽ	ब न की ऽ	सां – – –	नीध पध नीसां –	
०	३	×	२	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२)	विं द रा ऽ	ब न की ऽ	निसां रेंगं रें सां	नी ध सां –
	०	३	×	२
(३)	सां रें गं –	रें – गं सां	नीध पम गरे –	म – पध नीसां
	०	३	×	२

स्थाई की बोलतानें

(१)	म – म प	प ध नी ध	ध – धसां रेंसां	नि ध प –
	आ ऽ ज के	सी ब्रि ज मे	धूऽ मऽ ऽम	चा ऽ है ऽ
	०	३	×	२

ब्रिजमेंऽ–
०

(२)	धध पध नीसां धनी	सां नीध पम गरे	ब्रिजमे इ ०
	आऽ ऽऽ ऽऽ जऽ	ऽ केऽ ऽऽ सीऽ	
	×	२	

(३)	म प धनि पध	सां नी सां –	ध सां रें मं	गं रें सां –
	आ ज केऽ सीऽ	ब्रि ज मे ऽ	धू ऽ म म	चा ऽ है ऽ
	०	३	×	२
	सां रें नी –	ध – म म	रे म प म	पध नीसां नीध पम
	पि च का ऽ	री ऽ रं ग	उ ड त है	साऽ ऽऽ रीऽ ऽऽ
	०	३	×	२

ब्रिजमें
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) मप धनी पध नीसां | – सां – – | नीसां रेंसां गंरें गं |
आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ न ऽऽ | कैऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
० ३ ×
रेंसां – रें सां |
ऽऽ ऽसी ऽ |
२

नी सां नी – | ध – प प | गम पध नीसां रेंसां |
त्रि ज मे ऽ | धू – म म | चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
० ३ ×
नीध पम गरे सा | त्रिजसे |
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ई | ० |
२

स्थाईकी तानें

(१) आ | ऽ न कै सी | नीसा रेग मप धनी | धप मग रेसा, गम |
२ ०
| पप मग रेसा
×

(२) ,, | ,, | नीसा रेग मप धनी | सांनी धप मप धनी |
२ ० ३
| धप मग रेसा
×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) आ | ऽ न कै सी | नींसा रेग मप धनी | सारें गं रें सांनी धप |
२ ० ३

| मप मग रेसा
×

(४) ,, | ,, | मप मग रेसा गरे | सारे मप धप धनी |
२ ० ३

| धप मग रेसा
×

(५) ,, | ,, | मग रेसा नीनी धप | मग रेसा, रेंरें सांनी |
२ ० ३

| धप मग रेसा
×

आगेकी ताने ५ वीं मात्रासे शुरू होती हैं। इसलिये 'धूम मचाई' इस पंक्तिके आखिरी अक्षर 'ई' में एक मात्रा बढ़ाकर गाया जाये और उसके बाद तान शुरू की जाये।

(६) धू ऽऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप धनी सांरें मंगं | गं रें सांनी धप मप |
३ × २ ०

धनी सांरें गं रें सांनी | धप मग रेसा, आ | ऽ न कै सी
३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) धू ऽ ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप मप मग़ रेसा | धऩी धऩी धप मग़ |

३ × २ ०

रेसा, ऩीसां ऩीसां ऩीध | पम ग़रे सा, आ | ऽ ज कै सी

३ × २

(८) धू ऽ ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | ग़म ग़,ग़ मग़ रेसा | धऩी ध, ध ऩीध पम |

३ × २ ●

ग़रे सा धऩी सांऩी | धप मग़ रेसा, आ | ऽ ज कै सी

३ २ ०

(९) धू ऽ ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप धऩी सांरें सांऩी | धप मग़ रेसा रेंग़ं |

३ २ २

रेंसां धनि धप मप | मग़ रेग़ रेसा आ, | ऽ कै सी

३ ० ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग खमाज

यह राग खमाज थाठ से उत्पन्न होता है। इस रागमें दोनों निषाद लगते हैं, आरोहमें शुद्ध और अवरोहमें कोमल, बाकी सब स्वर शुद्ध है। आरोहमें 'रे वर्जित होनेके कारण इसकी जाति षाडव-संपूर्ण होती है। वादी स्वर 'ग' और संवादी 'नी' है। इसके गायनका समय रातका तीसरा पहर माना जाता है।

आरोह—सा, गम, प, धनीसां।

अवरोह—सांनी धप, मग रेसा।

पकड़—गम, प, नीध, मप, ध, मग।

(१) निसा, ग, मप गमग, रेसा।

(२) गम प, नीध, मपध, मगरेसा।

(३) गम, पधनी, धप, गमग, मधप, नीधप, मगरेसा।

(४) नि सा गमप, निधप, गमग, पधनीसां, नीधप, गमग रेसा।

(५) गमपधनीसां, नीधप, सारेंसां, नीध, गमनीधम, गमग, मगरेसा।

ताल एकताल

लक्षण गीत

गीत (१)

सोहत मधुर खमाज, सुध सुर युत दोऊ निषाद।
समय द्वितीय प्रहर रात, षाडव संपूरन थात।
आरोहन ऋषभ छुटत, सब सुर अवरोह करत।
गनी नृप मंत्री सम्मत, संगत सुर धमकी लसत॥ —पं० खरेशास्त्री

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

प

सा	–	ग	ग	ग	म	प	ध	ग	म	ग	ग
सो	ऽ	ह	त	म	धु	र	ख	मा	ऽ	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	प	पध	सां	नी	ध	प	म	ग	ग
सु	ध	सु	र	यु	स	दो	ऊ	नि	षा	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
म	नी	ध	नी	प	ध	नी	सां	नी	सां	–	सां
स	म	य	द्धि	ती	य	प्र	ह	र	रा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
पनी	सांरें	नी	सां	नी	ध	म	प	ध	म	ग	ग
षाऽ	ऽऽ	ड	व	सं	ऽ	पू	र	न	या	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

ग	ग	म	–	नी	ध	नी	सां	नी	सां	सां	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	न	ऋ	ष	भ	छु	ट	त
×		०		२		०		३		४	
नी	सां	नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी	ध	ध	ध
स	व	सु	र	अ	व	रो	ह	ह	क	र	त
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग	नी	ध	नी	प	ध	नी	–	सां	–	सां	सां
ग	नी	नृ	प	मं	ऽ	त्री	ऽ	सं	ऽ	म	त
×		०		२		०		३		४	
गं	रें	सां	नी	ध	प	ध	म	प	ध	म	ग
सं	ऽ	ग	त	सु	र	ध	म	की	ल	स	त
×		०		२		०		३		४	

राग-खमाज

एकताल (मध्यलय)

गीत (२)

तूं ग़रीबनवाज़ मेरो मै ग़रीब तेरो ॥
कुब्जाकी लाज राखि गजका कियो खेल ।
अजहूँ मेरी पत तूं राखि रामनाम हेरो ॥

सां	–	नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी	ब	प	ब
तू	ऽ	ग	रि	ब	न	वा	ऽ	ज	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	
(सां)	–	नी	ध	म	म	प	ध	म	ग	म	प
मै	ऽ	ग	रि	ऽ	ब	ते	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

म	ग	म	नी	ध	नी	नी	सां	नी	सां	—	सां
कु	ब	ऽ	जा	ऽ	की	ला	ऽ	ज	रा	ऽ	खि
×		०		२		०		३		४	
नी	नी	—	सां	—	रें	सां	नी	सां	नी	ध	ध
ग	ज	ऽ	को	ऽ	कि	यो	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ग	ग	ग	ग	—	म	प	प	ध	नी	सां	सां
अ	ज	हुँ	मे	ऽ	रि	प	त	तूं	रा	ऽ	खि
×		०		२		०		३		४	
रें	सां	रें	सां	नी	सां	नी	ध	नी	ध	प	ध
रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	हे	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ
+		१		२		१		३		४	

राग-खमाज

ताल—त्रिताल

गीत (३)

रे मन हरसों करे तूं प्रीत, मात पिता सोहि अखिल जगत को।
अंत समयमें कोई नाहीं ॥

यह संसार झूठ पसारा, भाई बंद सब कोई नाहीं ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

									सा		
नीसां	रेंसां	नी	ध	पध	नीध	प	म	प	पध	नीसां	नी
रेऽ	ऽऽ	न	न	इऽ	रऽ	सो	ऽ	क	रऽ	ऽऽ	तूं
२				०				३			

				सां				सां							
सां	—	—	सां	नी	सां	नी	सां	ध	नी	ध	प	म	ध	प	ध
प्री	ऽ	ऽ	त	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ	सो	हि	अ	खि	ल	ज
×				२				०				३			

				सा म						सां					
ग	म	ग	—	नि़	सां	ग	म	प	ध	नी	सां	पध	सांरें	गंमं	गंरें
ग	त	को	ऽ	अं	ऽ	त	स	म	य	में	ऽ	कोऽ	ऽ	ऽ	इऽ
×				२				०				३			

सांनी	धप	मग	रेसा
नाऽ	ऽऽ	हिऽ	ऽऽ
×			

अंतरा

नी				म							
सां	गं	रेंगं	मंगं	सां	रें	सां	—	नी	सां	न	सां
य	ह	सं	ऽऽऽ	सा	ऽ	र	ऽ	छू	ऽ	ट	प
२				२				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां															
ध	नी	ध	प	ग	म	ग	म	प	ध	नी	सां	पध	सांरें	गंमं	गंरें
सा	ऽ	रा	ऽ	मा	ऽ	ई	बं	ऽ	ध	स	व	कोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ईऽ
×				२				०				३			

सांनी	धप	मग	रेसा
वाऽ	ऽऽ	ही	ऽऽ
×			

राग-खमाज

ताल—त्रिताल

(गीत ४)

जावो सैंया न मोसे करत बरजोरी ढीठ लंगरवा ।
मानत नाहीं जानत नाहीं बैया रे मोरी लचक गई रे ॥
करत हो निसदिन अनबन पलछिन ।
जावोजी जावो जावो करोन ठिठोरी ॥

प				सां				प				प			
प	सां	नी	सां	—	नी	ध	प	ग	म	प	नी	ध	ग	—	म
जा	वो	सैं	यां	ऽ	न	मो	से	क	र	त	ब	र	जो	ऽ	री
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे ग़ रे सा	रे नी़ सा –	प नी़ ध नी़	प ध नी सां
ढो ऽ ट लं	ग र वा ऽ	मा न त ना	ऽ हि जा न
×	२	०	३
रें नी़ प ध	प नी सां नीसांरें	सां नी़ ध प	ग म ग म
त ना ऽ हि	बै या रे मो ऽ ऽ	री ल च क	ग इ रे ऽ
×	२	०	३

अंतरा

ध	नी़		
म नी़ ध नी़	प ध नी सां	प नी सां नीसांरें	सां नी़ ध प
क र त हो	नि स दि न	अ न व न ऽऽ	प ल छि न
×	२	०	३
नी	मं		सां
सां मं गं मं	रें गं सां रें	नी सां नी सां	ध नी़ प ध
जा वो जो जा	ऽ वो जा बो	क रो न ठि	ठो ऽ री ऽ
×	२	०	३

'जावो सैंया न मोसे' इस गीत के आलाप-तान

स्थाई के आलाप

(१) जा वो सैंया	सा – – –	ग म प –	ग म ग –
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) जा वो सैंया | ग म प – | ध ग – म | ग – रे सा |

× २ ० ३

(३) ,, | ग म प ध | नी – ध प | ग म.ग – |

× २ ० ३

(४) ,, | गम पध नीसां – | नी ध सां – | नीध पम गरे सा |

× २ ० ३

(५) ,, | गम पध नीसां – | सां – रें सां | गं मं ग – |

× २ ० ३

रें सां – – | नी – ध प | गम पध ग म | ग – रे सा |

× २ ० ३

अंतरे के आलाप

(१) क र त हो | नि स दि न | सां – – – | नीध सां – |

× २ ० ३

(२) ,, | ,, | पध सांरें गं – | रें सां – – |

× २ ० ३

(३) ,, | ,, | सां – – – | नीध पम गम पध |

× २ ० ३

नीसां – – – | गं – रें सां | गं मं गं – | रेंसां नीध सां – |

× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की बोलतान

(१)	जावोसैंया	ऽ न मो से	नी सा ग म क र त व	प ग म ग र जो ऽ री
	×	२	०	३
(२)	,,	ऽ न मो से	नी ध प ग क र त व	म ग – सा र जो ऽ री
	×	२	०	३
(३)	,,	ऽ न मो से	गम पध नीसां नी कऽ रऽ तऽ व	सां धनी प ध र जो ऽ ऽ री
	×	२	०	३
(४)	,,	ऽ न मो से	गम गसा –ग मप जावो सैंया ऽन मोसे	नीध पग मग –म कर तव रजो ऽरी
	×	२	०	३
(५)	,,	ऽ न मो से	पध सांरें –मं गंसां जावो सैंया ऽन मोसे	नीसां नीसां धनी पध कर तव रजो ऽरी
	×	२	०	३

स्थाई की तान

(१)	जा वो सैं या	न – मो से	गम पध नीध पम	गम धप मग रेसा
	×	२	०	३
(२)	,,	,,	गम पध नीसां रेंसां	नीध पम गरे सा
	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) जा वो सैं या	– न मो से	गम पध नीमं गंमं	गंरें सांनि धप मग
×	२	०	३

(४) जा वो सैं या	गप पध नीसां रेंसां	नीध पम गम पध
×	२	०
		नीध मप गरे सा
		३

(५) जा वो सैं या	नीसा गम पध गम	पध नीसां पध सांरें
×	२	०
		सांनी धप मग रेसा
		३

(६) जा वो सैं या	गम पध नीप धनी	मग धनी पध नीसां
×	२	०
		नीसां रेंसां नीध पम
		३

(७) जा वो सैं या	– न मो से	क र त ब	र जो ऽ रि
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गम पध नीध पम	गम पध नीसां नीध	पम गम पध नीसां
×	२	०

रेंसां नीध पम गम
३

(८) जा वो सैं या	– न मो से	क र त व	र ऽ जो ऽ री
×	२	०	३

गंमं गरें सांनी रें–ं	नीध पम नीध पम	ऽरे घर मग रेसां
×	२	०

गम पध पध नीसां
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग देस

यह राग खमाज थाटसे निर्माण होता है। इस रागमें दोनों 'निषाद' रहते हैं। आरोहमें शुद्ध 'नी' और अवरोहमें कोमल 'नी' बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। 'गन्धार' और 'धैवत' आरोहमें लेनेका प्रचार नहीं है। इस रागका वादी स्वर 'रे' और संवादी स्वर है 'प'। गानेका समय रातका दूसरा पहर है। यह राग बहुत लोकप्रिय है।

आरोह :- सारे, मप, नीसां।

अवरोह :- सांनीधप, मग, रेगसा।

पकड़ :- रेमप, नीधप, धमगरे, गनीसा।

आलाप

(१) सा, नीधप मप, नीसा, रेग, नीसा.

(२) नी, सारेनीधप, नीसा, रेम, गरे, गसा.

(३) नीसा, रेम, गरे, रेमप, मगरे, रेमपध, मगरे, गनीसा.

(४) सारेमप नीधप, धमप, नी, धप, धमगरे, रेमप, धमगरे गसा.

(५) सारेमपनी, सां, नी, सांरें, नी, धप, रेमपनी, धप, धमगरे, गनीसा.

ताल—तीनताल

गीत (१)

रे	म	–	म	प	नी	–	नी	सां	–	–	रें	सां	नी	ध	प
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म प नी ध	प म ग रे	प म ग रे	ग नी – सा
०	३	×	२

अंतरा

म – म म	प प नी नी	सां – सां सां	नी सां सां –
०	३	×	२
नी सां रें मं	गं रें नी सां	रें सां नी ध	प म ग रे
०	३	×	२
रे नी ध नी	प ध म प	सां नी ध प	म ग रे सा
०	३	×	२

ताल-त्रिताल

गीत २

कान्हा बन्सिया बजाये मोरा मन हर लीनो।
बन्सियाकी धुन सुन मैं तो भई बावरी।
ना जानूँ कहा कीनो रे॥

				म –
				का ऽ
		रे		सा रे
पनी सां – नी	ध प ध म	म – म ग	रे, – म ग	
नाऽ ऽ ऽ ब	न्सि या ऽ ब	जा ऽ ये ऽ	ऽ ऽ मो ऽ	
०	३	×	२	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा			सा
नी – सा रे	म प – ध	पध – म ग	रे –
रा ऽ ऽ म	न ह र र	लीऽ ऽ नो ऽ	ऽ ऽ
०	३	×	२

अंतरा

प

व

प		प	
ध म – प	नी सां नी सां	नी सां – म	प नीसां रेंमं गंरें
न्सि या ऽ की	धु न धु न	मैं दो ऽ भ	ई वा ऽ ऽऽ ऽऽ
०	२	×	२
गं रें – नी	नी सां नी सां	नी सां नीसांरें सांरें	नी धप
च री ऽ ना	बा नू क हा	की ऽ नो ऽ ऽ ऽऽ	रे ऽऽ
०	३	×	२

ताल-तीनताल

गीत (३)

तबसो चैन नहि आवेरी सखीरी जबसे मैं निरख्यो नंदलाला कोटि मदन छवि छाये री ॥ कुंडल हलन चलन श्रवणनमें बन्सी मधुर बजावेरी बाजत चरन छुंझनननन नूपूर ताहूँपर मुसकावेरी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

			ध
म ग रे ग	सा रे म प	नी – सां –	नीध प प ध
त ब सो चै	ऽ न न हि	आ ऽ वे ऽ	री ऽ ऽ त व
०	३	×	२
म ग रे ग	सा रे म प	नी – सां सां	नीध पध प –
सौ ऽ ऽ चै	ऽ न न हि	आ ऽ वे स	खोऽ ऽऽ री ऽ
०	३	×	२
ध नी ध प	नीमां रेंनी ध प	मग धनी प ध	म ग रे –
व ब से ऽ	मे ऽ ऽऽ नि र	ख्योऽ ऽऽ नं द	ला ऽ ला ऽ
०	३	×	२
			ध
रे म रे म	प ध म प	नी – सां –	नीध प प ध
कोऽ टि म	द न छ वि	छा ऽ ये ऽ	री ऽ ऽ त व
०	३	×	२
म ग रे ग	सा रे म प		
सौं ऽ ऽ चै	ऽ न न हि		
०	३		

अंतरा

म – म म	प प नी नी	सां सां सां सां	रें नी सां –
कुं ऽ ड ल	ह ल न च	ल न श्र व	ण न में ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प – नी –	सां सां सां सां	पनी सांरें सां रें	नी ध प –
व ऽ न्सी –	म धु र ब	जाऽ ऽऽ ऽ ऽ	वे ऽ री ऽ
०	३	×	२
प प रें रें	रें रें रें –	नी नी नी नी	सां – सां सां
बा ज त च	र न छुं ऽ	छ न न न	नू ऽ पु र
०	३	×	२
प – नी –	सां सां सां सां	पनी सांरें नी ध	प – प ध
ता ऽ हूँ ऽ	प र मु स	काऽ ऽऽ वे ऽ	री ऽ त व
०	३	×	२
म ग रे ग	सा रे म प		
सों ऽ ऽ चै	ऽ न न हि		
०	३		

ताल-दादरा

गीत (४)

चंचल छल कृष्ण कान्ह । परवश मोहे छेडे, छेडे छेडे ॥

नंद के लाल छैल छबिले । नट हट मोसे करत छेड ।

जमुना जल भरन जात । पनघट मोहे घेरे ॥

पनी सारें रेंमा	नी ध प	प ध म	ग ग म
चंऽ ऽऽ चऽ	ल छ ल	कृ ऽ ष्ण	का ऽ न्ह
×	०	×	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे	म	ग	|	नी	सा	सा	||	रे	म	–	|	ग	रे	– ||
प	र	व	|	श	मो	हे	||	छे	ऽ	ऽ	|	डे	ऽ	ऽ ||
×				०				×				०		
रे	प	म	|	प	–	–	||	प	सां	नी	|	सां	–	– ||
छे	ऽ	ऽ	|	डे	ऽ	ऽ	||	छे	ऽ	ऽ	|	डे	ऽ	ऽ ||
×				०				×				०		
पनी	सांरें	रेंगं	|	नीध	पम	प	||							
छेऽ	ऽऽ	ऽऽ	|	डेऽऽऽऽ			||							
×				०										

अंतरा

म	म	प	|	नी	–	नी	||	नी	सां	नी	|	सां	सां	सां ||
नं	द	के	|	ला	ऽ	ल	||	छै	ऽ	ल	|	छ	बि	ले ||
×				०				×				०		
प	प	नी	|	नी	सां	सां	||	प	नीसां	रें	|	नी	ध	प ||
न	ट	ह	|	ट	मो	से	||	क	रऽ	त	|	छे	ऽ	ड ||
×				०				×				०		
प	प	रें	|	–	रें	गं	||	रेंगं	मं	गंरें	|	गं	नी	सां ||
ज	मु	ना	|	ऽ	ज	ल	||	भऽ	र	नऽ	|	घा	ऽ	त ||
×				०				×				०		
प	प	नी	|	नी	सां	सां	||	पनी	सांरें	रेंगं	|	नीध	पम	प ||
प	न	घ	|	ट	मो	हे	||	घेऽ	ऽऽ	ऽऽ	|	रेऽ	ऽऽ	ऽ ||
×				०				×				०		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-देस

"चंचल छल कृष्ण कान्ह" गानेके आलाप व तान

स्थाई के आलाप

सब आलाप समसे ही शुरू होते हैं। इसलिये 'चंचल छल कृष्ण कान्ह' यह पंक्ति कहनेके बाद ही आलाप लिये जाये।

(१) सा – – | – – – || ऩी सारे ऩी | – ध़ प़ ||
× ० × ०
म़ प़ ऩी | – सा – ||
× ०

(२) सा रे म | – ग रे || ग – ऩी | – सा – ||
× ० × ०

(३) रे म प | – – – || प ध म | – ग रे ||
× ० × ०
रे ग ऩी | – सा – ||

(४) ऩीसा रेम पनी | सां – – || रें – नी | – ध प |
× × × ०
रे प म | गरे साऩी सा ||
×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) पनी सांरें – | गं नी सां || रें – नी | – ध प |
× ० ० ०
म ग रे | ग सा – ||
× ०

अंतरे के आलाप

(१) सां – – | – – – || पध मप नी | – सां – ||
× ० ×

(२) मप नीसां रें | – – – || गं – – | नी – सां ||
० × ०

(३) नीसां रेंमं – | गं रें – || रें गंनी सां | रेंम पनी सां ||
× ० × ०

स्थाई की तानें

(१) पनी सांरें सांनी | धप मग रेसा |
× ०

(२) नीसा रेम पनी | सांनि धप मप | नीनी धप मप | धप मग रेसा ||
× ० × ०

(३) सारे मप नीसां | रेंरें सांनी धप | मग नीनी धप | मप मग रेसा ||
× ० × ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) नीसा रेम रेम | पनी पनी सांरें | सांनी धप नीनी | धम मग रेसा ||
× ० × ०

(५) नीसा रेम रेम | पनी पनी सांरें | नीसां रेंमं गंरें | सांनी धम मग ||
× ० × ०

नीसां रेंरें सांनी | धप मग रेसा |
× ०

(६) मम गरे सासा | नीनी धप मप | रेंरें सांनी धम | धम मग रेसा ||
× ० × ०

(७) नीसा रेम पनी | सांनी धप मग | रेसा रेम पनी | सांनी धम मग ||
× ० × ०

रेसा पनी सांनी | धम मग रेसा |
× ०

(८) गंरें मंगं रेंसां | निसां पनी सांरें || गरें सांनी धप | मग सांनी धप ||
× ० × ०

मग नीध पम | धम मग रेसा ||
× ०

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग दुर्गा

यह राग बिलावल थाटसे निकलता है। इस रागमें 'ग' और 'नी' ये दोनों स्वर वर्जित हैं, बाकी स्वर शुद्ध हैं। राग की जाति ओड़व है। वादी स्वर 'म' और संवादी 'सा' है। गाने का समय रात का दूसरा पहर माना गया है।

आरोहावरोह :—सारे, मप, धसां, | सांध, प, म, रेसा |

पकड़ :—सारेम, रेप, मपध, म, रे सा

आलाप :—

(१) सारेमा, साधसा, सारेसा, मरेमा

(२) सारेधसा, मरेप, मपध, म, रेसा,

(३) सारेम, रेपमध, पधसां, मांध, मापम, रेसा

(४) सारेमपधसां रेंधसां, सांरेंमरें, सां, धप, पधम, रेसा

ताल—तीनताल

गीत (१) लक्षण गीत

सब मिल गावो बजावो दुरगा, ओड़व बिन ग नि द्वितीय प्रहर निश शुद्ध स्वरनको मेल मिलावो।

मध्यम वादी संग षड्ज अरु न्यास रिषभ कर सारेमरे पमप धसाधप धम सुर संगत मधुर रचावो॥

— जयसुखलाल शाह

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

		प		
प	म प ध प	ध – ध प	ध सां ध म	
स	व मि ऽ ल	गा ऽ वो व	ला ऽ वो ऽ	
	३	×	२	

रे ध़ सा –	सा ध़ सा सा	प म प ध	सांरें सां ध ध	
दु रं गा ऽ	ओ ऽ ड़ व	वि न ग नि	द्विऽ ति य प्र	
	३	×	२	

ध म रे सा	सा रे म रे	प म ध –	मप धसां ध प	
ह र नि श	शु ऽ द्ध स्व	र न को ऽ	मेऽ ऽऽ ल मि	
०	३	×	२	

ध म़ रे

ला ऽ वो

अंतरा

ध		मं		
म – प ध	सां ध सां –	रें मं रें सां	ध प म म	
म ऽ ध्य म	वा ऽ दी ऽ	सं ऽ ग ध	ड व अ रु	
०	३	×	२	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

		रें	
मर धधम	रे रे सा सा	सा रें म रे	प – म प
न्याऽ ऽसरि	धमक र		
०	३	×	२
सां	प	म	
ध सां ध प	ध म रे सा	रे प प प	ध्र धसां धप
	सु र	सं ऽ त त	मऽ धुऽ र र
०	३	×	२
ध म रे			
धाऽवो			
०			

ताल-झपताल

गीत

सखी मोरी रुम झूम ।
बादल गरजे, बरसे ॥
रैन अंधेरी कारी, बिजली चमके ।
कैसे जाऊँ मै जल भरन ॥

गां		ध	म म
ध प	रेमरध मप,ध ध	म म,	रे रे सा
स खि	मोःऽऽ ऽऽऽ री	रु म	झू ऽ म
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा धृ	सा	मरे	प	प	मग	ध	पध	सांनिधप	ममरेसा
वा	ऽ	दऽ	ऽ	ल	गर	जे	बर	सेऽऽऽ	ऽऽऽऽ
×		२			०		३		

अंतरा

ध म	–	सां ध	–	पम	सां	–	रेंध	सां	–
रै	ऽ	न	ऽ	अंऽ	घे	–	रीऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां	ध	सां	रें	रें	मं	रें	सांरेंसांसां	धसांनिप	म
का	लि	बि	ज	लि	च	म	केऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽ
×		२			०		३		
प	प	रेनिपग	मग, ध –	ध	ध	म	म रे	म रे	सा
कै	से	जाऽऽऽ	ऊऽऽ	मै	ब	ल	भ	र	न
×		२			०		३		

तीनताल (मध्यलय)

गीत (४)

एरि धन धन भाग मोरे आई ऋत पिया मिलन की।
शुभदिन शुभघढि शुभ आपे सब रंग।
इच्छा पूरी भई मोरे मन की ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प | प धप मरे म | ध – – सां | ध – म म |

प | रि धऽ नऽ ध | न ऽ ऽ ऽ | मा ऽ ऽ ग |

३ × २

रे – सा म | रे प म प | धसां रेंसां ध – | मप धप रेम पम |

मो ऽ रे आ | ई ऋ ऽ त | पिऽ ऽऽ या ऽ | मिऽ ऽऽ लऽ ऽऽ |

० ३ × २

रे सा –

न की ऽ

०

अंतरा

सां सां

म म ध ध | सां ध सां सां | ध ध सां रेंसां | ध प ध म |

शु भ दि न | शु भ घ डि | शु भ आ ऽऽ | ये ऽ स ब |

० ३ × २

म रे – सा | म रे प प | धसां रेंसां ध – | मप धप रेम पम |

ऽ रं ऽ ग | ई च्छा पू री | मऽ ऽऽ ई ऽऽ | मोऽ ऽऽ रेऽ ऽऽ |

० ३ × २

रे रे सा

म न की

०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

ताल-त्रिताल

गीत (४)

रूप जोबन गुन धरो रहत है। इन भागन के आगे।
दरस कहत ये सांचि कही है। जो ना माने वाहे त्यागे।

म		प						रे				प			
प	म	प	ध	म	रे	सा	रे	प	प	म	पध	म	रे	सा	रे
रू	ऽ	प	जो	व	न	गु	न	ध	रो	ऽ	रऽ	ह	त	है	ऽ
०				३				×				२			
ध								सां				ध			
सां	ध	सां	–	सां	सां	सां	रें	ध	सां	प	ध	म	रे	सा	रे
इ	न	भा	ऽ	न	न	के	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ
०				३				×				२			

अन्तरा

				ध				सां							
म	म	प	ध	सां	ध	सां	–	सां	ध	सां	रें	सां	ध	म	रे
द	र	स	क	ह	त	ये	ऽ	सा	ऽ	चि	क	ही	ऽ	है	ऽ
०				३				×				२			
				ध				सां				ध			
म	म	प	ध	सां	ध	सां	रें	ध	सां	प	ध	म	रे	सा	रे
जो	ना	मा	ने	वा	ऽ	हे	ऽ	त्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग दुर्गा

“सखी मोरी रुम झूम” गीत पर आलाप तान

स्थाईके आलाप

(१)	सखि	मे॑ऽऽ ऽऽऽ,ऽगी	रु म	झूऽ म	सा –	– रे –
	×	२	०	३	×	२
					रेध़ –	सा – –
					०	३
(२)					सा रे	म – –
	×	२	०	३	×	२
					रे म	रे सा –
					०	३
(३)		”	”		सा रे	म – –
	×	२	०	३	०	२
	प ध	म – –	म प	ध – –	म –	रे – सा
	०	३	×	२	०	३
(४)		”		”	सारे मप	ध पध सां
					×	२
	– –	रें ध सां	ध –	म – –	पध म	रे – सा
	०	३	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतराके आलाप

(१) रै ऽ | न ऽ अंऽ | धे ऽ | रीऽ ऽऽ |
× २ ० ३
सां – | – – – | रें ध | सां – – |
× २ ० ३

(२) रै ऽ | न ऽ अंऽ | धे ऽ | रीऽ ऽ ऽ |
× २ ० ३
मग धसां | रे – – | सां रेंसां | ध – सां |
× २ ० ३

(३) रै ऽ | न ऽ अंऽ | धे ऽ | रीऽ ऽऽ |
× २ ० ३
सां – | ध – – | रें सा | ध – सां |
× २ ० ३
मप –म | पध –प धसां | –ध सांरें | –सां ध सां |
× २ ० ३

स्थाईके बोलतान

(१) सखि | मोऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ री | सारे मरे | रेम रेना धसा |
सखि मोऽ | रीरू मछ ऽम |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) सखि	मोऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ री	रेम पध	रेम रे,मप धम	
		सखि मोरी	रूऽ मझुऽ ऽम	
×	२	०	२	

(३) सखि	मो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ री	मप धसां	धसांरेंसां धपमप धपम—	
		सखि मोरी	रू ऽऽऽ मऽझुऽ ऽऽमऽ	
×	२	०	३	

(४) झुऽम	सारे धुसा	रेम रे,म पम	धप धसां	धसांरेंसां धध धम
	सखि मोरी	रूऽ मझू ऽम	बाऽ दल	ग ऽ रऽ जेंब रसे
३	×	२	०	३

(५) झुऽम	मप धसां	सां रेंमं रेंसां	रेंसां धप	धम रेपमध मप——
	सखि मोऽ	री रूम झुम	बाद ल ग	रजे बरसेऽ ऽऽऽऽ
३	×	२	०	३

स्थाई के तान

(१) स खि	मो ऽ ऽ ऽ ऽऽऽ री	सारेमम रेमगध	
×	२	०	
			मपधध पधपम रेमरेसा
			३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) स खि | मोऽऽऽ ऽऽऽ री | सारेमप रेमपध |
× २ ०
| मगधसां धपमम रेमरेसा |
३

(३) ,, ,, | ,, | सारेमप धधपम |
× २ ०
| रेमरेसा पधपम रेमरेसा |
३

(४) ,, ,, | ,, | सारेमप धसांरध |
× २ ०
| सारेंसांसां धसांधप ममरेसा |
३

(५) ,, ,, | ,, | सारेमप धसांरेंम |
× २ ०
| रेंसांधरें सांसांधप ममरेसा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) स खि | सारेमम धसांरेंमं मंरेंसांध | रेंसांसांध पमसांसां |

× २ ०

| धपमरे धपमम रेमरेसा |

३

(७) ममरेसा धधपम | मरेसा-- सांसांधप ममरेसा | रेंरेंसांध पममरे |

× २ ०

| सां,रेंमंरें सांसांधप ममरेसा |

३

(८) सारेमम रेमरेसा | मपधध पधपम पधसांसां | धसांधप धसांरेंरें |

× २ ०

| सारेंसांध धसांधप ममरेसा |

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग सारंग

यह राग काफी थाटसे उत्पन्न हुआ है। इस रागमें दोनों निषाद, शुद्ध और कोमल लगते हैं। 'नी' शुद्ध आरोहमें और 'नी' कोमल अवरोहमें है। 'ग' और 'ध' यह दोनों स्वर इस रागमें वर्जित हैं। जाति ओड़व है। वादी स्वर 'रे' होकर संवादी 'प' है। गाने का समय मध्यान्ह है।

आरोहावरोह

नी, सा, रे, म, प, नी सां | सां नी, प, म, रे, सा

पकड़

नी सा रे म रे प म रे सा

आलाप

(१) सा, नी प, नी सा, नीसा

(२) सा, नीसा, रेमरे, पमरे, रेमप, मरे, सा,

(३) सा, रे, म प, नी प, नी नी प रेमपनी मप, मरे, सा

(४) सारे, मम, नीसां, रें, सांनीसां, रेंमंरेंसां, नी प, मप, मरे सा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग सारंग

ताल—एकताल

गीत (१)

धन धन धुन सारंग, औड़व रूप बरांजत ध-ग।
गावत हरि वृंदावन, संग मुरली अति सुहाग॥
आरोहन सुध नी लसत, सोही, मृदु अवरोही रहत।
प-रि सुर संवाद करत नीपमरे संगत सोहत॥

—पं० खरे शास्त्री

						म					
म	रे	प	म	नी	प	रे	म	पम	रे	—	सा
ब	न	ध	न	धु	न	सा	ऽ	ऽऽ	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

नी	—	सा	सा	रेन	रेसा	नी	सा	रे	सा	नी	प
औ	ऽ	ड	व	रूऽ	पऽ	व	र	जि	त	ध	ग
×		०		२		०		३		४	

सा											
नी	सा	रे	म	रे	म	पनी	पम	रे	—	सा	सा
गा	ऽ	व	त	ह	रि	वृंऽ	ऽऽ	दा	ऽ	व	न
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स	–	सां	प	नी	प	रे	म	पम	रे	–	सा
सं	ऽ	ग	मु	र	ली	अ	ति	सुऽ	हा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

म	–	प	नी	नी	नी	नी	सां	नी	सां	सां	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	न	मु	ध	नी	ल	स	व
×		०		२		०		३		४	
नी	सां	रें	मं	रें	सां	नीसां	रें	सां	नी	प	प
सो	ही	मृ	दु	अ	व	रोऽ	ऽ	ही	र	ह	त
×		०		२		०		३		४	
प	रें	सां	रें	नी	सां	नीसां	रें	सां	प	नी	प
प	रि	सु	र	सं	ऽ	वाऽ	ऽ	द	क	र	त
×		०		०		०		३		४	
नी	प	म	रे	रे	म	पनी	पम	रे	–	सा	सा
नी	प	म	रे	सं	ऽ	गऽतऽ		सो	ऽ	ह	त
×		०		२		०		३		४	

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग सारंग

ताल–तीनताल

गीत (२)

औचक हि भेंट भईरी आलिरी काहूँ कुँवर नंद कुंवर बनवन ठाढ़ो आजरी। भेंट जो भई मेरी उनकी बड़ि फिरन फिराये कोट किये छूट गई मेरी नैनन से लाजरी ॥

म प	नी नी पम रे	– सा नी सा	
औ ऽ	च क हिऽ मे	ऽ ट ऽ भ	
	०	३	
रे म म प	प – नी –	प म (प) -म	रे – नी सा
ई ऽ ऽ ऽ	री ऽ आ ऽ	ली ऽ ऽ ऽऽ	री ऽ का हूँ
×	२	०	३
रे म रे म	प प नी नी	म प नी सां	रें – सां –
कुँ व र नं	ऽ द कुं ऽ	ब न व न	ठा ऽ ढो ऽ
×	२	०	३
– नी – पम	प –		
ऽ आ ऽ जऽ	री ऽ		
×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

म - प प	नी प नी -	सां - सां सां	सां - सां सां
भें ऽ ट जो	भ ई मे ऽ	री ऽ उ न	की ऽ क हि
×	२	०	३
प नी प नी	सां - सां -	नी सां रें सां	नीं - म प
फि र न की	रा ऽ ये ऽ	को ऽ ट कि	ये ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
म - प प	नी प नी -	सां - सां -	रें नी सां -
छू ऽ ट ग	ई ऽ मे ऽ	री ऽ नै ऽ	न न से ऽ
×	२	०	३
- नी - पम	प -		
ऽ ला ऽ ऽऽ	री ऽ		
×	२		

राग-सारंग

ताल—झपताल

गीत ३,

मधु मदन मन करो प्रभुसे तुम, साँची कहीये कौन निभावे।
जब कोकिला कूक उठी चहुँ ओर, शीतल मंद समीर आये॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	सां							म	
नी	नी	सां	सां	सां	नी	पम	प	रे	–
म	धु	म	द	न	म	नऽ	क	रो	ऽ
×		२			०		३		

रे	म	प	–	म	रे	–	सा	–	–
प्र	भु	से	ऽ	ऽ	तू	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

				प					
म	–	म	–	म	प	–	नी	प	–
सा	ऽ	ची	ऽ	क	ही	ऽ	ये	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

म	प	नी	सां	रें	नी	सां	प	नी	सां
को	ऽ	न	ऽ	नि	भा	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

अंतरा

म	म	प	नीप	नी	सां	–	सां	–	सां
ज	व	को	ऽऽ	की	ला	ऽ	कू	ऽ	क
×		२			०		३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी	सां	|	सां	—	रें	|	नी	सां	|	प	नी	ष
ऊ	ऽ	|	ठी	—	च	|	हूँ	ऽ	|	ओ	ऽ	र
×			२				०			३		
रें	रें	|	रें	—	पं	|	रें	—	|	सां	—	सां
सी	ऽ	|	त	ऽ	ल	|	मौ	ऽ	|	द	ऽ	र
×			२				०			३		
म	प	|	नी	सां	रें	|	नी	सां	|	प	नी	सां
स	ऽ	|	मी	ऽ	र	|	भा	ऽ	|	ये	ऽ	ऽ
×			२				०			३		

राग—सारंग

ताल—त्रिताल

गीता ४

वन-वन ढूंढन जाऊँ, कितहुँ छुप गये कृष्ण मुरारी।
सीस मुकुट और कानन कुंडल, वन्सीधर मनरंग फिरत गिरधारी।

सां	सां	सांरें	सांनी	|	पनी	पम	रे	सा
ब	न	वऽ	दऽ	|	ढुंऽ	ऽऽ	ढ	न
०					३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म रे प म	प – – –	म प सांरें नीसां	नी नी पम प
बा ऽ ऽ ऽ	ऊ – – –	कि त हुँऽ ऽऽ	छु प गऽ ये
×	२	०	३

रे म नी पम	रे – सा –
कु ऽ ञ्ज मुऽ	रा ऽ री ऽ
×	२

अंतरा

म – प प	पनी प नी नी	सां – सां सां	नी सां सां सां
सी ऽ स मु	कु ट औ र	का ऽ न न	कुं ऽ ड ल
×	२	०	३
नि सां रें –	मं रें सां सां	नी सां रें सां	नी सां नी प
व ऽ न्सी ऽ	ध र म न	मैं ऽ ग फी	र त फि र
×	२	०	३

मप नीसां रेंमं रेंसां	नीसां रेंसां नीप मप
बाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ रीऽ ऽऽ
×	२

राग–सारंग

"बन-बन ढूँढन" इस गीत पर अलाप तान

(१) ब न बऽ नऽ	ढुंऽ ऽऽ ड न	सा – – नी	प नी – सा
० ३	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) न न नऽ नऽ | धुंऽ ऽऽ द न | रे म – रे | रे नी सा – |

० ३ × २

(३) न न नऽ नऽ | धुंऽ ऽऽ द न | सा रे – म | प नी – प |

० ३ × २

(४) न न नऽ नऽ | धुंऽ ऽऽ द न | रे म प – | नी नी – प |

० ३ × २

| मप नी – – | सां – – – | नी प – म | रे म प – |

अंतरा के आलाप

सौ ऽ स मु | कु ट औ र | सां – नीं मप | नी – सां – |

× २ ० ३

सौ ऽ स मु | कु ट औ र | पनी सांरें – – | सां – रेंनी सां |

× २ ० ३

सौ ऽ स मु | कु ट औ र | नी – सां – | नीसां रें मं – |

× २ ० ३

| रें – रेंनी सां | – – पनी सांरें | – सां – – | नीनी मप नी सां |

× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की बोलतानें

(१) ब न बऽ नऽ	धूऽ ऽऽ ड न	म प नी पम	रे – नी सा
		ब न ब नऽ	धू ऽ ड न
०	३	×	२

(२) ब न बऽ नऽ	धूऽ ऽऽ ड न	नी प नी सां	नीप पम रे म
		व न ब न	ऽऽ धूंऽ ड न
०	३	×	२

(३) ब न बऽ नऽ	धूऽ ऽऽ ड न	नी सां रें मं	रेंसां नीप नीप मप
		ब न ब न	ऽऽ धूऽ डऽ नऽ
०	३	×	२

(४) ब न बऽ नऽ	धूंऽ ऽऽ ड न	रेम रे,म पम नीग	नीप मप रेम म
		बऽ नब ऽन धू ऽ	डऽ नऽ बाऽ ऊ
०	३	×	२

(५) ब न बऽ नऽ	धूऽ ऽऽ ड न	मप नीसां रेंसां रेंनी	सांसां नीप नीम पप
		वन बन धूं ड नजा	ऽऊ धूं ड नजा ऽऊ
०	३	×	२

स्थायी की तानें

(१) ब न बऽ नऽ	धूंऽ ऽऽ ड न	नीसा रेम पनी सांनी
०	३	
		पम रेम रेसा नीसा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ब न बऽ नऽ | धूंऽ ऽऽ ड न | नीसा रेम पनी सारें |
० ३ ×
| सांनी पम रेम रेसा |
२

(३) ब न बऽ नऽ | धूंऽ ऽऽ ड न | रेम पनी सांरें मंमं |
० ३ ×
| रेंसां नीप मम रेसा |
२

(४) ब न बऽ नऽ | धूंऽ ऽऽ ड न | मम रेसा पनी पम |
० ३ ×
| रेसा मरे पम रेसा |
२

(५) ,, | ,, | रेम पम नीप मप |
×
| मम रेम मरे सा |
२

(६) ,, | ,, | नीसा रेम पनी सारें |
० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मंमं रेंसां रेंरें सांनी | सांसां नीप नीनी पम | पप मरे मम रेप |

२ ० ३

पम नीनी पसां सांनी | रेंरें सांनी पम रेसा |

× २

(७) ,, | ,, | नीसा रेम पनी सांनी |

० ३ ×

पम रेम :म पम | पनी पनी सांनी सारें | सांनी पम मप मप |

२ ० ३

| नीप नीसां नीसां रेंगां | रेंरें सांनी पम रेसा |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भीमपलासी

यह राग काफी थाटसे उत्पन्न होता है। इस राग में 'ग' और 'नी' कोमल लगते हैं बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। आरोहमें 'रे' और 'ध' वर्जित है। जाति ओडव-संपूर्ण है। इसके गायन का समय दिन का तीसरा पहर माना गया है।

आरोहावरोह

नी सा ग म, प, नी सां | सां नी ध प म, ग रे सा

पकड़

नी सा ग म, प, नीधप, मप, ग म ग रे सा

आलाप

(१) नी सा, ग म प गम ग, रे सा.

(२) नी सा, गरेसा गमप, मप, म, ग, रे, सा.

(३) नी सा, ग, म, प नी धप, मप, नी धप, गमप, गम ग रेसा.

(४) नी सा, गम, गनीसां, नी सां गं रें सां, नी, धप, मपनी धप,

ग, म, ग रे सा.

—:o:—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भीमपलासी

ताल–एकताल

गीत (१)

स्थायी

ऩी॒	–	सा	ग॒	–	म	प	म	प	ग॒	–	म
×		०		२		०		३		४	
प	नी॒	ध	प	म	प	ग॒	–	म	ग	रे	सा
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

प	म	प	ग॒	–	म	प	नी॒	नी॒	सां	–	सां
×		०		२		०		३		४	
नी॒	नी॒	सां	गं॒	रें	सां	नी॒	सां	नी॒	ध	प	–
×		०		२		०		३		४	
प	रें	रें	सां	नी॒	सां	नी॒	ध	प	म	प	–
×		०		२		०		३		४	
ग॒	म	ग॒	प	म	प	ग॒	म	ग॒	रे	सा	–
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भीमपलासी

ताल-त्रिताल

गीत २

बिरज में धूम मचायो श्याम, कैसे मैं सखि जाऊँ अपने धाम।
सब सखियन मिल होरी खेलत हैं, अँखियन डारत गुलाल ॥

(म) नि॒	(प) ध	प	ग॒	म
बि	र	ज	में	ऽ
	३			

(म) प	–	(म) प	प	ग॒	सा	(म) ग॒	(सा) म	ग॒	रे	सा	–	(ग) नि॒	सा	ग॒	म
धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	यो	ऽ	श्या	ऽ	म	ऽ	कै	से	मैं	ऽ
×				२				०				३			

म	प	ग॒	म	प	(प) नि॒	पनि॒	सा नि	ध	–	प
स	खि	जा	ऊ	अ	प	नेऽ	ऽऽ	धा	ऽ	म
×				२				०		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

	प	सां सां	
प प प प	म प गु म	प प नी नी	सां रें सां –
स ब स खि	य न मि ल	हो ऽ रि खे	ल त है ऽ
×	२	०	३

सां सां		
प नी सां गं	रें सां नी सां	नी ध प
अ खि य न	डा र त गु	ला य ल
×	३	०

राग भीमपलासी

ताल–त्रिताल

गीत (३)

बन बन ढूँढन जात सखीरी ।
सुनत बंसी धुन कान बजावत ॥
तान-तान मधुवन में गुंजत ।
सब लोगन को नाच नचावत ॥

प	म	सां प	
प नी ध प	ग – रे सा	नी सा सा ग	म प ग म
ब न ब न	धूँ ऽ ड न	जा ऽ त स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा		म म	म म
प नी सां नी	सां नी ध प	ग ग म प	ग ग रे सा
सु न त वं	ऽ सि धु न	का ऽ न व	का ऽ व त
०	३	×	२

अंतरा

सां	सां सां	रें	
म – प नी	– नी प नी	सां सां सां –	नी सां सां सां
ता – न नां	ऽ न म धु	व न में ऽ	गूं ऽ ज त
०	३	×	२

सां रें		म म	म
प नी सां गं	रें सां नीध प	ग ग म प	ग मग रे सा
स व लो ऽ	ग न कोऽ ऽ	ना ऽ च न	चाऽ ऽऽ व त
०	३	×	२

राग–भीमपलासी

ताल–त्रिताल

गीत ४,

छबि अबि बनी बनवारी की। मृदु मुसकान आन नैनन की।
को बरने गिरधारी॥ मोर–मुकुट मकराकृति कुंडल।
अलका घूंघरवाले की॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प प	म	रे	म प
नी ध पम प	ग ग रे सा	नी सा सा –	ग म प –
छ बि अऽ धि	व नी व न	बा ऽ री ऽ	की ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

प प प प	ग म म ग	म प ग म	ग रे सा ऽ
मृ दु मु स	का ऽ न आ	ऽ न नै ऽ	न न को ऽ
०	३	×	२

सां	सां		
नी – नी नी	सां – नी सां	नी ध प –	गम पनी पनी सां
को ऽ म र	ने ऽ गि री	बा ऽ री ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

अंतरा

	म	सां सां	
प – प प	म प ग म	प – नी नी	सां – सां सां
मो ऽ र मु	कु ट म क	रा ऽ कृ ति	कूं ऽ ड ल
०	३	×	२

सां			
प नी सां गं	रें – सां सां	नी ध प –	गम पनी पनी सां
अ ल का ऽ	घुं ऽ ग र	वा ऽ ले ऽ	कीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

"बिरजमें धूम मचायो" गीत की आलापतान

स्थाई के आलाप

(१)	वि	र ज में ऽ	सा — — —	नी़ प़ नी़ सा	ग रे सा
		३	×	२	०
(२)	वि	र ज में ऽ	नी़ सा ग —	— रे — सा	ग रे सा
		३	×	२	०
(३)	वि	र ज में ऽ	नी़ सा ग म	प — ग म	ग रे सा
		३	×	२	०
(४)	वि	र ज में ऽ	ग म प —	नि — — —	ध — प —
		३	×	२	०
		ग — म ग	रे सा ग म	प ग — म	ग रे सा
		३	×	२	०
(५)	वि	र ज में ऽ	गम पनी — —	सां — — —	नी — सां गं
		३	×	२	०
		— — रें सां	नीसां — नीधप	म प ग म	ग रे सा
		३	×	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा के आलाप

(१)	स ब स खि	य न मि ल	ग़ – – म	– प नी सां
	×	२	०	३
(२)	,,	,,	नी – पध पम	गम पनी सां –
	×	२	०	३
(३)	,,	,,	नी – सां गं	रें सां पनी सां
	×	२	०	३

स्थाई के बोलतान

(१)	बि	र ज में ऽ	सा ग़ म प	ग़ म ग़ रेसा	नी सा सा
			बि र ज में	धू ऽ म म ऽ	चा ऽ यो
		३	×	२	०
(२)	बि	र ज में ऽ	ग़ म प नी	ध प प म	प ग़ म
			बि र ज में	धू ऽ म म	चा ऽ यो
		३	×	२	०
(३)	बि	र ज में ऽ	प नी सां गं	रें सां नीसां रेंसां	नी ध प
			बि र ज में	धू ऽ मऽ मऽ	चा ऽ यो
		३	×	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) बि | र ज में ऽ | पप मग मग रेसा | गम पनी धप गम | पनी पनी सां
| | बिऽ रऽ जऽ मेंऽ | घूऽ ऽऽ मम चाऽ | ऽऽ योऽ ऽ
३ × २ ०

(५) बि | र ज म ऽ | गम पनी पनी सांरें | नीसां ां नीनी धप | मप मग रेसा
| | बि र ज में घूऽ म- | चा ऽ यो काऽ ऽऽ | ऽऽ नाऽ ऽऽ.
३ × २ ०

स्थाई के तान

(१) बि | र ज में ऽ | घू ऽ म म | नीसा गम पनी सांनी | धप मग रेसा
३ × २ ०

(२) बि | र ज में ऽ | घू ऽ म म | गम पनी सांरें सांनी | धप मग रेसा
३ × २ ०

(३) बि | र ज में ऽ | घू ऽ म म | मप नीसां गुरें सांनी | धप मग रेसा
३ × २ ०

(४) बि | र ज में ऽ नीसा गम पम गम पनी सांनी धनी सांरें
३ × २

| सांनी धप मप
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) त्रि | र ज से ऽ | नीसा गग रेसा गम | पप मग मप नीनी |

३ × २

| धप मग रेसा

०

(६) त्रि | र ज में ऽ | नीसा गम पम पम | गम पनी सांनी सांनी |

३ ० २

| धप मग रेसा

०

(७) त्रि | र ज में ऽ | नीसा गम पनी सांनी | धप मग रेसा गम |

३ × २

| पनी सांनी धप मग | रेसा पनी सांनी धप | मग रेसा नीसा गम |

० ३ ×

| पनी सांनी पनी सांनी | धप मग रेसा

२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री

यह राग काफी ठाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'गांधार' और 'निषाद' ये दो स्वर कोमल लगते हैं। कोई कोई 'प' स्पर बिलकुल वर्जित मानते हैं, तो कोई अवरोह में थोड़ा लगाते हैं। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। वादी स्वर 'म' और संवादी 'सा' है। आरोह में 'रे' स्वर नहीं आता। गाने का समय रात का दूसरा पहर है।

आरोहावरोह

ग॒ म, ध नी॒ सां | सां नी॒, ध, म ग॒ रे सा,

पकड़

सा, ग॒ म ध, म ग॒ रे सा.

(१) सा, नी़॒ध़ सा मग॒ रे सा.

(२) ध़नी़॒सा मग॒, मध, मग॒ रे, सा.

(३) सा, ग॒मध, मग॒, मध, नी॒ध, म ग॒रे, सा.

(४) ग॒मध, नी॒सां, धनी॒सां, रेंसां, नी॒ध, मधंनी॒ध, मग॒, रेसा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री

ताल–चौताल

गीत (१)

नी ध म ग	रे सा ध़ नी़	सा – म –	ग – म ध
०	३	×	२
नी ध नी सा	रे सां नी ध	म नी ध म	ग रे सा –
०	३	×	२

अंतरा।

ग म ध नी	सां नी सां –	नी सां रें सां	नी सां नी ध
०	३	×	२
ध नी सां मं	गं रें सां –	नीं सां नी ध	म ग म ध
०	३	×	२

राग बागेश्री

ताल–त्रिताल

गीत (२)

ऋतु बसंत तुम अपने उमंगसो।
पी ढूँढन मैं निकली घरसों॥
आवोजी लाला घर बिठलाऊँ।
पाग बँधाऊँ पीरी सरसों॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

			सा
ग़ म प ग़	म ग़ रे सा	सा (सा) ध़ ऩी	सा म म —
ऋ तु व सं	ऽ त तु म	अ प ने ऊ	मं ग सो ऽ
०	३	×	२

		म	म ध
ग़ म ऩी ध	ऩी सां सां —	ध ध पध ऩी	ध ध म —
पी ऽ हू ऽ	ढ ड में ऽ	नी क सीऽ ऽ	घ र सों ऽ
०	३	×	२

अंतरा

ग़ म ऩीध नी	सां — सां —	ऩी सां रें सां	ऩी सां ऩी ध
आ ऽ बोऽ जी	ला ऽ ला ऽ	ब र वि ठ	ला ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२

			ध
म — ध ऩी	सां — सां —	ध ध पध ऩी	ध ध म —
पा ऽ ग वं	धा ऽ ऊं ऽ	पी ऽ रीऽ ऽ	स र सों ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री

ताल–झपताल

गीत २

अरी एरी सखी बलहारी तुमरिया ।
चलके दिखाओ मुझे पिया की नगरिया ॥
पिया बिन मुझको चैन नहीं आवे ।
घर काम काज मोहे कछु ना सुहावे ॥

										धनी
										अरी
सां	सां	सां	–	नीऽसां, रें	सां	नीऽसां	नी	ध	म	
ये	ऽ	री ऽ		सऽऽ	खी	ऽऽ	ब	ऽ	ल	
×		२			०		३			
म		ध		ध						
ध	–	नी	–	ध	म	पध	म	ग	–	
हा	ऽ	री	ऽ	तु	म	रीऽ	या	ऽ	ऽ	
×		२			०		३			
					ध					
रे	सा	नी	सा	सा	नी	–	ध	म	ग	
च	ल	के	ऽ	दि	खा	ऽ	ओ	मु	झे	
×		२			०		३			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म		म								
ग॒	म	नी॒	ध	म	धनी॒सांरें	नी॒सां–		नी॒नी॒	धम	धनी॒
पि	या	के	ऽ	न	गऽऽऽ	रिऽ		याऽ	ऽऽ	अरी
×		२			०			३		

अंतरा

म	ग॒	म	नी॒	ध	नी॒	सां	सां	–	–	–
पि	या	बी	ऽ	न	मु	रू	को	ऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३			
					सां					
नी॒	सां	सां	रें	सां	नी॒	सां	नी॒	ध	–	
चै	ऽ	न	न	हि	आ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	
×		२			०		३			
ध	नी॒	धनी॒सांमं	गं॒	रें	सां	नी॒सां	नी॒	ध	म	
ध	र	काऽऽऽ	ऽ	म	का	ऽऽ	ज	मो	हे	
×		२			०		३			
म	ग॒	नी॒	ध	म	धनी॒सांरें	नी॒सां	नी॒नी॒	धम	धनी॒	
क	छू	ना	ऽ	सु	हाऽऽऽ	ऽऽ	वेऽ	ऽऽ	अरी	
×		२			०		३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री

'ऋतु बसंत तुम' गीतपर आलाप-तान

स्थाई के आलाप

(१)

ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	सा – – –	नि़ ध़ सा –
०	३	×	२

(२)

ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	सा म ग –	म ग रे सा
०	३	×	२

(३)

ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	ध़ नि़ सा म	– – – –
०	३	×	२
ग म ध –	– नि ध –	म – – ग	– रे – सा
०	३	×	२

(४)

ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	ग म नि ध	सां – – –
०	३	×	२
रें – सां –	नि ध – –	ग म नी ध	म ग रे सा
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा के आलाप

(१)	आ ऽ वो जि	ला ऽ ला ऽ	ध नी सां –	नी ध सां –
	०	३	×	२
(२)	आ ऽ वो जि	ला ऽ ला ऽ	धनी सांरें नीसां –	नी ध सां –
	०	३	×	२
(३)	आ ऽ वो जि	ला ऽ ला ऽ	सां – – –	गं – रें सां
	०	३	×	२
	मं – – गं	– रें – सां	म ध नी सां	– ध नी सां
	०	३	×	२

स्थायी की बोलतान

(१)	ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	ग म ध म	गम ग रे सा
			अ प ने ऊँ	मं ऽ ग सो ऽ
	०	३	×	२
(२)	ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	ध ध नी ध	धम ग रे सा
			अ प ने ऊँ	मऽ ग सो ऽ
	०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३)	ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम धनी सां ग	म ग रे सा
			अऽ पऽ ने ऊ	मं ग सो ऽ
	०	३	×	२

(४)	ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	सासा	साधा	नीसा	धनी
			ऋ तु	ब सं	ऽ त	तु म
	०	३	×			
			साम	मम	मम	गरे
			अ प	ने ऊ	मं ग	सोऽ
			२			

(५)	ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम	धनी	सांनी	सांसां
			ऋतु	बसं	ऽ त	तुम
	०	३	×			
			धध	धध	धनी	धम
			अप	नेऊ	मंग	सोऽ
			२			

स्थायी की तानें

(१)	ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	धनी साग मध नीसां	नीध पम गरे सा
	०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ऋ तु व सं | ऽ त तु म | गम धनी सांगं रेंसां | नीध पम गरे सा |
० ३ × २

(३) ऋ तु व सं | ऽ त तु म | गम धनी सांमं गं रें | सांनी धप मग रेसा |
० ३ × २

(४) ऋ तु व सं | ऽ त तु म | गम धनी सां धनी | सांनी धप मग रेसा |
० ३ × २

५) ऋ तु व सं | ऽ त तु म | धनी सांमं गंरें सांनी | धनी धप मग रेसा |
० ३ ० २

(६) ऋ तु व सं | ऽ त तु म | गम धनी सांम गं रें |
० ३ ×

| सांनी धप मग मध | नीसां गं रें सांनी धप | मग मध नीसां नीध |
२ ० ३

| पम गरे सा गम | धनी सां धनी सां |
× २

(७) ऋ तु व सं | ऽ त तु म | मम गम गरे सा |
० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| नीनी धनी धप मग | मम गम गरे सा | मंमं गमं गरें सांनी |
२ ० ३

| गंगं रेंगं रेंसां नीध | पम गम गरे सा |
× २

(८) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सांमं मंगं |
० ३ ×

| रेंसां नीसां गंगं रेंसां | नीध रेंरें सांनी धम | नीनी धप मग ऽम |
२ ० ३

| गरे साग मध नीसां | मध नीसां धनी सां |
× २

— :※: —

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रुपद १

राग खमाज

चौताल

जय जय जय सत्यदेव सुर नर मुनि चरन सेव ।
त्रिभुवन पति पारब्रह्म पूरन प्रभु गुणनिधान ॥
जय जय जय रूप सदन निरखत छबि चंद्रवदन ।
वारिजात कोटि मदन भूलिजात धनुष बान ॥

स्थायी

नी	नी	सां	नी	सां	रें	सांनी	सां	नी̱	ध	म	प
ज	य	ज	य	ज	य	स ऽ	ऽ	त्य	दे	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	ध	नी̱	ध	प	ध	म	ग	–	ग
सु	र	न	र	मु	नि	च	र	न	से	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
नी̣	सा	ग	म	ग	म	प	–	ध	नी	सां	सां
त्रि	भु	व	न	प	ति	पा	ऽ	र	ब्र	ऽ	ह्म
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

पनी सांरें	ऽसांनी सां	नी ध	मप पध	म ग	– ग
पूऽऽऽ	रऽ न	प्र भु	गुऽणऽ	नि धा	ऽ न
×	०	२	०	३	४

अन्तरा

	म	प			
ग म	नी नी	ध ध	नी सां	नी सां	सां सां
ज य	ज य	ज य	रू ऽ	प स	द न
×	०	२	०	३	४
नी नी	सां नी	सां रें	सांनी सां	नी ध	ध ध
नि र	ख त	छ बी	चंऽ ऽ	द्र व	द न
×	०	२	०	३	४
ग –	म प	– ध	नी सां	नी सां	सां सां
वा ऽ	रि जा	ऽ त	को ऽ	टि म	द न
×	०	२	०	३	४
गं –	रें सां	नी सां	ध सां	नी ध	म प
भू ऽ	लि जा	ऽ त	ध नु	ष धा	ऽ न
×	०	२	०	३	४

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रुपद २

राग भीमपलासी

चौताल

कुंजन में रचो रास अति बुधगत लिये गोपाल,
कुंडल की झलक देख कोटि मदन वारे को।
अधर तोष रंग रंग बाँसुरी कोपाय संग,
ऐसी छवि देख देख मोहन के मुकुट पर मेरो मन अटको ॥

स्थायी

		(प)									
म	ग॒	म	ग॒	रे	सा	सा	सा	सा	नी॒	सा	सा
कूं	ऽ	ज	न	ऽ	में	र	चो	ऽ	रा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
नी॒	सा	म	ग॒	म	प	नी॒	ध	प	ग॒	म	म
अ	ति	बु	ध	ग	त	लि	ये	गो	पा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प	म	म	ग॒	म	म	प	नी॒	नी॒	सां	सां	सां
कूं	ऽ	ड	ल	ऽ	कि	झ	ल	क	दे	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	नी	ध	प	म	प	ग	म	ग	रे	नी	सा
को	ऽ	टि	म	द	न	वा	ऽ	रे	ऽ	को	ऽ
X		०		२		०		३		४	

अन्तरा

प	प	प	म	ग	म	प	नी	नी	नी	सां	सां
अ	ध	र	तो	ऽ	ध	रं	ऽ	ग	रं	ऽ	ग
X		०		२		०		३		४	
नी	नी	नी	सां	सां	मं	गं	रें	सां	नी	ध	प
बाँ	ऽ	सु	री	ऽ	को	पा	ऽ	य	सं	ऽ	ग
X		०		२		०		३		४	
:	प	ग	—	म	प	ग	म	ग	रे	—	सा
ऐ	ऽ	सी	ऽ	छ	वि	दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख
X		०		२		०		३		४	
नी	सा	ग	म	प	नी	नी	नी	नी	सां	—	सां
मो	ऽ	ह	न	की	ऽ	मु	कु	ट	प	ऽ	र
X		०		२		०		३		४	
सां	नी	ध	प	म	प	प	ग	म	ग	रे	सा
मे	ऽ	रो	ऽ	म	न	अ	ट	ऽ	को	ऽ	ऽ
X		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रुपद ३

राग बागेश्री

चौताल

जय जय जय जगदाधार दीन बंधु दीनोद्धार, दारिद्र दुख
हरन हार कमलापति करुण धार।
रामकृष्ण वासुदेव चंद्रमणि मधुसूदन पारब्रह्म परमेश्वर
परम पुरुष निराकार॥

स्थायी

सां	सां	नीध	ध	धप	ध	नी	ध	म	ग	रे	सा
ज	य	जऽ	य	जऽ	य	ज	ग	दा	धा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा	–	रेसा	नीध	सा	सा	म	–	ग	रे	सा	सा
दी	ऽ	नऽ	बंऽ	ऽ	धु	दी	ऽ	नो	द्धा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा	–	म	म	ध	ध	म	ध	नी	सां	–	सां
दा		री	द्र	दु	ख	ह	र	न	हा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मं	गं	रें	सां	नीध	पध	नी	ध	म	मग	रे	सा
क	म	ला	ऽ	पऽ	तिऽ	क	र	ण	घाऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

म	ग	म	नी	ध	नी	सां	–	नी	सां	–	सां
रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्ण	धा	ऽ	सु	दे	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
ध	नी	सां	गं	रें	सां	नी	सां	ध	नी	ध	ध
चं	ऽ	द्र	म	ऽ	णि	म	धु	सू	ऽ	द	न
×		०		२		०		३		४	
म	ग	रे	सा	म	म	ध	म	धनी	सां	सां	सां
पा	ऽ	र	ब्र	ऽ	म्ह	प	र	मेऽ	ऽ	श्व	र
×		०		२		०		३		४	
मं	गं	रें	सां	नीध	पध	नी	ध	म	मग	रे	सा
प	र	म	पु	रुऽ	षऽ	नि	रा	ऽ	काऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रुपद ४

राग सारंग

चौताल

कोउ कहत रे मधुप तू कहा तू रस को जाने,
बहुत कुसुम पै बैठी सब आपन सम माने।
आपन सम हमको कियो चाहत है मति मंद,
दुविध ग्यान उपजाय के दुखित प्रेम आनंद ॥

स्थायी

नीं	सां	नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी	प	म	प
को	ऽ	उ	क	ह	त	रे	ऽ	म	धु	प	तू
×		०		२		०		३		४	
म	प	म	नी	प	म	रे	रे	रे	नी	सा	सा
क	हा	ऽ	तू	ऽ	र	स	को	ऽ	जा	ऽ	ने
×		०		२		०		३		४	
सा	नी	सा	म	रे	म	प	म	प	नी	म	प
ब	हु	त	कु	सु	म	पै	ऽ	ऽ	बै	ऽ	ठि
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म	प	नी	सां	रें	रें	नी	सां	नी̲	नी̲	म	प
स	ब	आ	ऽ	प	न	स	म	मा	ऽ	ने	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

प	नी̲	प	नी	सां	सां	नी	सां	सां	रें	नी	सां
आ	ऽ	प	न	स	म	ह	म	को	कि	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नी	सां	रें	मं	रें	सां	रें	सां	नी	सां	नी̲	प
चा	ऽ	ह	त	है	ऽ	म	ति	मं	ऽ	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
प	रें	सां	रें	नी	सां	प	नी̲	प	म	रे	म
दु	वि	ब	ग्या	ऽ	न	उ	प	जा	ऽ	य	के
×		०		२		०		३		४	
म	प	नी	सां	रें	सां	नी	सां	प	नी̲	म	प
दु	खि	त	प्रे	ऽ	म	आ	ऽ	नं	ऽ	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ संख्या	अशुद्ध	शुद्ध	पंक्ति
१	वकड़	पकड़	११
१	सारग	सारंग	८
३	अवरा	अवरोह	७
११	अर	और	१४
१४	होत	होते	१०
१५	दी-ई	दी गई	४
१६	पदा	पैदा	२
१३	आरोह की अवरोह	आरोह और अवरोह	८
१८	राग का स्वरप	राग का स्वरूप	६
१६	।डव-औड़व	षाड़व औड़व	४
५०	रेंसां निध	रेंसां निध	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आग्र
भरतनिधि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi